RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-168 जयपुर, रविवार, 21 दिसम्बर 2025 मूल्य-4 रुपये

नदिया रैली को कोलकाता से पीएम मोदी ने किया वर्चुअली संबोधित

टीएमसी की लूट और धमकियों ने सभी हदें पर की

पीएम बोले- कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को छूट दी

कोलकाता/गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तहेरपुर हेलीपैड पर उतरने की कोशिश में असफल रहे। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी, जिससे पीएम का हेलीकॉप्टर कुछ समय हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता हवाई अड्डे लौट गया। उन्होंने एयरपोर्ट से ही वर्चुअली संबोधन किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बंगाल समेत पूरे देश के लोगों को बड़ी राहत दी है और दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों के दौरान देशभर के लोग इससे काफी लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। पीएम ने कहा कि गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है और बिहार ने बंगाल को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि वे पूरे दिल से बंगाल के लोगों के लिए समर्पित हैं और राज्य के लिए फंड और नीतियों की कोई कमी नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से असम विरोधी काम किया। कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को खुली छूट दी और यहां की डेमोग्राफी बदली। इससे ये हुआ कि पूरे असम की सुरक्षा और पहचान दांव पर लग गई।

पीएम ने कहा- मोदी कांग्रेस की गलतियां सुधार रहा है। आज हिमंता जी की सरकार मेहनत से असम के संसाधनों को देश विरोधी लोगों से मुक्त करा रही है। अवैध घुसपैठियों को पहचानकर उन्हें बाहर किया जा रहा है।

मोदी दो दिन के असम दौरे पर पहुंचे। उन्होंने गुवाहाटी में 5000 करोड़ की लागत वाली लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह देश का पहला प्रकृति-थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल है, जिसकी थीम बांस उद्यान पर आधारित है।

असम से पहले पीएम कोलकाता पहुंचे थे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट से नादिया जिले के राणाघाट में आयोजित कार्यक्रम को फोन से वर्चुअली संबोधित किया था। मोदी ने कहा- ऐसा नहीं है कि बंगाल के विकास के लिए पैसों की कमी है, लेकिन यहां की सरकार सिर्फ कट और कमीशन में लगी रहती है।

नई टर्मिनल बिल्डिंग में प्रकृति से जुड़ी डिजाइन

पीएम ने कहा- इस नई टर्मिनल बिल्डिंग से गुवाहाटी की क्षमता बढ़ेगी। अब सवा करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ सकेंगे। मां कामाख्या के दर्शन आसान हो जाएंगे। इस एयरपोर्ट से दिखता है कि विकास और विरासत के मायने क्या हैं। टर्मिनल के अंदर हरियाली है। प्रकृति से जुड़ी डिजाइन है। यहां टेक्नोलॉजी है। इसे बनाने में बांस का इस्तेमाल किया गया है जो खूबसूरती दिखाता है और मजबूती भी।

2014 में आपने मुझे काम दिया उसके पहले देश में कानून था कि बंबू को काट नहीं सकते। वे कहते थे बांस वृक्ष है। जबकि दुनिया मानती है कि बांस पौधा है। हमने कानून हटाया और ग्रास की कैटेगरी में जो सचमुच में बंबू की पहचान है। तब जाकर आज बांस से इतनी बड़ी बिल्डिंग बनी है। आज दुनियाभर में भारत के एयरपोर्ट की रचनाओं की चर्चा है।

असम भारत के ईस्टर्न गेटवे के रूप में उभर रहा

भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा है। 11 साल में ये कैसे हुआ। इसमें बहुत बड़ी भूमिका इन्फ्रॉस्ट्रक्चर की है। विकास के इस महाअभियान में देश के हर क्षेत्र की भागीदारी है। हम पिछड़ों को मौका दे रहे हैं। आज असम और पूर्वोत्तर हमारे मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर को प्राथमिकता दी है। असम को भारत के ईस्टर्न गेटवे के रूप में उभरता देख रहे हैं। ये शुरुआत आगे तक जाएगी। असम कई क्षेत्रों में विकसित भारत का इंजन बनेगा।

पहले हिंसा होती थी आज टेक्नोलॉजी पहुंच रही

पूर्वोत्तर में पहले हिंसा होती थी यहां 4जी 5जी से टेक्नोलॉजी पहुंची रही है। साथियों हम पूर्वोत्तर की संस्कृति और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस की जड़ें आजादी से पहले से जुड़ी हैं। गुवाहाटी से जलपाईगुड़ी तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रा के समय को कम किया। कार्गो ट्रेफिक में 140 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक गंगा विकास को लेकर उत्साह है। कांग्रेस की सरकारों ने असम और पूर्वोत्तर विकास से दूर रखने का पाप किया है।

फतेहपुर-माउंट आबू में पारा 4 डिग्री, शीतलहर की चेतावनी

यूपी-बिहार में 6 की मौत, 11 जिलों के स्कूल बंद

जयपुर

उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत 8 राज्यों में शनिवार सुबह भीषण सर्दी के साथ घना कोहरा छाया रहा। राजस्थान के सीकर स्थित फतेहपुर और सिरोही के माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के करीब 20 जिले घने कोहरे से ढके रहे। इसके कारण दिल्ली से भोपाल-इंदौर आने वाली कई ट्रेनें लेट हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोहरे के कारण शनिवार को 129 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई है।

यूपी के 50 जिलों में कोहरा छाया रहा। सुबह 9 बजे तक सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखा। 10 मीटर दूर भी कुछ नहीं दिख रहा था। संभल में घने कोहरे के कारण ट्रक और बाइक की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। घने कोहरे के कारण यूपी के 8 जिलों के स्कूलों में 19 और 20 दिसंबर को छुट्टी की गई है।

बिहार के 24 जिलों में कोल्डे के हालात है। पिछले दो दिनों से कई जिलों में धूप नहीं निकली है। सारण, दरभंगा और मुंगेर में स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं। अररिया में घने कोहरे की वजह से तेज रफ्तार कार और बाइक की टक्कर में 2 युवकों की मौत हो गई।

दिल्ली में सर्दी और धंधु की वजह से शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 79 डिपार्चर (2 अंतरराष्ट्रीय सहित) और 73 अराइवल (2 अंतरराष्ट्रीय सहित) फ्लाइट रद्द की गईं।

बाड़मेर में ड्रग फैक्टरी का भंडाफोड़, 80 करोड़ की एमडी जब्त

बाड़मेर

भारत-पाक बॉर्डर पर राजस्थान का बाड़मेर नशे का नया ठिकाना बनता जा रहा है। पुलिसकर्मी के भाई ने घर से एक किलोमीटर दूर लकड़ी कारखाने की आड़ में स्ब ड्रग बनाने की फैक्ट्री लगाई।

जहां 130 करोड़ रुपए की ड्रग बननी थी। करीब 80 करोड़ की MD आरोपी तैयार कर चुके थे। इसकी सप्लाई के लग्जरी गाड़ी भी तैयार थीं, लेकिन पुलिस ने ठिकाने पर रेड कर दी।

मास्टरमाइंड तस्कर पुलिस से बचने के लिए पड़ोसी के घर में रहता था। पकड़ा गया चचेरा भाई खुद निगरानी कर था। लोगों को शक ना हो इसलिए पूछने पर दवाइयां बनाने की बात कहते थे।

18 दिसंबर को बाड़मेर सदर थाना इलाके के आदर्श चवा, करेली नाडी में पुलिस कार्रवाई की थी। इस दौरान फरार इनामी तस्कर मोटाराम समेत दो अन्य तस्करों की पुलिस तलाश कर रही है।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शुभमन बाहर, ईशान की वापसी, सूर्यकुमार को कमान

अगरकर बोले- गिल रन नहीं बना पा रहे

मुंबई

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मुंबई के BCCI हेडक्वार्टर में शनिवार को सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में स्क्वॉड की घोषणा की।

टीम में अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर संजू सैमसन को स्क्वॉड में शामिल किया गया। इसके अलावा ईशान किशन और रिंकू सिंह को भी टीम में मौका मिला। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा- गिल इस समय रन नहीं बना पा रहे हैं। हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं, शायद अभी थोड़े रन कम बना रहे हैं, उन्हें पिछले वर्ल्ड कप में भी मौका नहीं मिला था, यह दुर्भाग्यपूर्ण था।

वहीं, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल का चयन न होने पर कहा- गिल को खराब फॉर्म की वजह से ड्रॉप नहीं किया गया गया है। ऐसा टीम कॉम्बिनेशन की वजह से हुआ है, हम टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर चाहते थे। उनकी काबिलियत पर कोई शक की बात नहीं है, वे एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। टीम को रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर की भी जरूरत थी।

यह टीम वर्ल्ड कप से पहले 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इसी दिन भारत वानखेड़े स्टेडियम में ग्र से अपना पहला मैच खेलेगा। फाइनल 8 मार्च 2026 को खेला जाएगा। इसका वेन्यू बाद में तय होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पैसेंजर से मारपीट, पायलट सस्पेंड

नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर शुक्रवार को ऑफ-ड्यूटी पायलट ने एक यात्री से मारपीट की। इस घटना के बाद यात्री ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए हादसे की जानकारी शेयर की। साथ ही पायलट के कपड़ों और अपने चोटिल चेहरे की तस्वीर भी पोस्ट की।

घटना के सामने आते ही सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने भी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को सस्पेंड कर दिया है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा है कि पायलट ड्यूटी पर नहीं था। वह दूसरी फ्लाइट का पैसेंजर था। हमने उसे हटा दिया है, जांच पूरी होने पर कार्रवाई होगी।

घटना के बाद यात्री अंकित दीवान ने एक पोस्ट लिखा। इसमें कहा कि मुझ पर मामला खत्म करने का दबाव बनाया गया। जबरदस्ती लेटर लिखवाया। अगर मैं ऐसा नहीं करता तो मुझे फ्लाइट छोड़नी पड़ती।

अंकित ने ये भी बताया कि मेरी 7 साल की बेटी ने अपने पिता को पिटते और मेरे खून से सने चेहरे को देखा। इसके बाद से वह सदमे में है।

बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदी मां, मौत

पति से विवाद के बाद घर से निकली थी, 2 महीने की थी मासूम

महवा

महवा में मंडावर के पास शनिवार को एक महिला ने अपनी दो महीने की बच्ची के साथ ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। इस घटना में मां और बेटी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मंडावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मां-बेटी के शवों को मंडावर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतका की पहचान गीता देवी मीणा (30) के रूप में हुई है। महिला की आत्महत्या की खबर मिलते ही पीहर पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए।

मंडावर थाना अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया- महिला के पिता कंवरपाल मीणा निवासी हल्देना ने थाने में शिकायत दी है कि उसकी बेटी गीता देवी अपने पति भगवान सहाय के शराब पीने से परेशान रहती थी जिसकी वजह से आए दिन उन दोनों के बीच झगड़ा होता रहता था।

भगवान सहाय ने शनिवार सुबह गीता के साथ मारपीट की थी, जिससे उसने अपनी दो महीने की बच्ची के साथ ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए हैं। पिता की शिकायत पर ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मामला दर्ज होने के बाद से महिला का पति फरार है।

जोधपुर में हरियाणा पुलिस का एएसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने हरियाणा पुलिस के एएसआई को 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस रिमांड में परेशान न करने और मदद करने के बदले में रिश्वत की डिमांड की थी। एसीबी चौकी जोधपुर ग्रामीण ने यह कार्रवाई की है। आरोपी प्रवीण क्राइम ब्रांच, पालम विहार, गुरुग्राम में सहायक उप निरीक्षक है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया- एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई को एक शिकायत मिली थी। एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया। योजना के अनुसार, परिवादी को रिश्वत की रकम के साथ भेजा गया और जैसे ही प्रवीण ने 3 लाख रुपए की रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

डिवाइडर तोड़कर टैंकर कंटेनर से टकराया, दोनों में लगी आग

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर लगा जाम, 2 लोग घायल

उदयपुर

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर टैंकर बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रहे कंटेनर से टकरा गया। दोनों वाहनों में टक्कर के साथ ही आग लग गई। हाईवे पर जाम लग गया। हादसे में दोनों ड्राइवर घायल हो गए। धुएं का गुबार और लपटें देखकर लोग घबरा गए।

टीडी पुलिस थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया- हादसा शनिवार शाम करीब पांच बजे हुआ। उदयपुर से अहमदाबाद जा रहा टैंकर टीड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के बोरी कुआं पेट्रोल पंप के पास बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराते हुए अहमदाबाद से उदयपुर आ रही लेन में चला गया। वहां आ रहे कंटेनर से टकरा गया।

दोनों वाहनों के टकराते ही टैंकर और कंटेनर में भीषण आग लग गई। इस बीच हाईवे पर दोनों तरफ से आने वाले वाहन भी भीषण आग को देखकर रुक गए। बाद में वहां जमा हुए ग्रामीणों ने टैंकर ड्राइवर नानालाल जाट और कंटेनर ड्राइवर अख्तर को बाइक पर टीडी अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलने पर टीडी पुलिस और उदयपुर से दमकल भी मौके पर पहुंची। हादसे में घायल दोनों लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया गया है। मौके पर जावरमाइंस से 2 और उदयपुर से 1 फायर ब्रिगेड मंगवाई गई, जिसके बाद तीनों दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग पर काबू पाया। टैंकर निम्बाहेड़ा से अहमदाबाद जा रहा था, जबकि कंटेनर अहमदाबाद से आ रहा था। हादसे के बाद हाईवे की दोनों तरफ की लेन में जाम लग गया। करीब आधे घंटे तक जाम रहा और उसके बाद धीरे-धीरे वाहनों की आवाजाही शुरू हुई।

9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं 7 मार्च से

1 अप्रैल से सेशन शुरू करने की तैयारी

बीकानेर

बीकानेर शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल शनिवार को घोषित कर दिया है। इस बार प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में एक अप्रैल से सेशन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग समय से पहले एग्जाम करवा रहा है। आमतौर पर ये एग्जाम अप्रैल महीने में होते हैं। शिक्षा विभाग की ओर से जारी टाइम टेबल के मुताबिक 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं 7 मार्च से 19 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं- 12वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल घोषित करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 9वीं और 11वीं कक्षा का टाइम टेबल भी घोषित कर दिया है। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की जाएगी।

पहली पारी में सुबह 8.30 से 11.45 बजे और सेकंड पारी में दोपहर 1 बजे से 4.15 बजे तक परीक्षा होगी। 10वीं -12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी। 9वीं कक्षा के सभी पेपर सेकंड पारी में होंगे। जबकि 11वीं कक्षा की परीक्षा दोनों पारियों में आयोजित की जाएगी। हालांकि 11वीं कक्षा के प्रथम पारी में आयोजित किए जाने वाले पेपर की तिथियां 14 मार्च से 19 मार्च तक निर्धारित की गई है।

प्रश्न पत्र वितरण के संबंध में दिशा निर्देश पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से अलग से जारी किए जाएंगे।

राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

ट्रेन के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, कोहरे के कारण हादसे की आशंका

नगांव/गुवाहाटी

असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए।

यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ। शुरुआत में आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि एक हाथी का बच्चा जिंदा है और गंभीर रूप से घायल है। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है।

नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा होने की आशंका है। मृत हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, जबकि स्थानीय पशु चिकित्सक घायल हाथी का इलाज कर रहे हैं।

नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसा गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर दूर लुमडिंग डिवीजन के तहत जमुनामुख-कांपुर सेक्शन में हुआ। हादसे वाली जगह अधिसूचित हाथी कॉरिडोर नहीं है।

अधिकारी के अनुसार, हाथियों का झुंड अचानक ट्रेन के सामने आ गया। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन इसके बावजूद हाथी ट्रेन से टकरा गए। फॉरेस्ट ऑफिसर ने बताया कि मृत हाथियों का अंतिम संस्कार घटनास्थल के पास ही किया जाएगा।

हस्रक्र अधिकारी ने बताया कि सैरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सैरांग (आइजोल के पास) से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल तक जाती है। हादसे के बाद पटरी से उतरे कोचों के यात्रियों को अस्थायी रूप से अन्य डिब्बों में खाली बर्थ पर शिफ्ट किया गया। फिर प्रभावित कोचों को हटाकर बाकी ट्रेन 4 घंटे बाद, सुबह 6:11 बजे गुवाहाटी के लिए रवाना हुई। गुवाहाटी में ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़े गए, जिनमें यात्रियों को बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन ने अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू की।

नरेश मीणा पर हमला, नाराज समर्थकों ने पथराव किया

भाया समर्थक पूर्व सरपंच की कार को आग लगाई

बारां

बारां में शनिवार को नरेश मीणा पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। इस घटना से गुस्साए नरेश मीणा के समर्थकों ने पूर्व सरपंच के घर पर पथराव कर दिया और एक कार को आग के हवाले कर दिया।

नरेश मीणा के समर्थकों ने आरोप लगाया कि हमला अंता विधायक प्रमोद जैन भाया के समर्थक माने जाने वाले पूर्व सरपंच तोलाराम के बेटे और अन्य लोगों ने किया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया। सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। उधर, नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। नरेश मीणा ने कहा- या तो एसपी को बदला जाए या पुलिस द्वारा फिर इन सभी गुंडों को पकड़कर लाया जाए। हालांकि बाद में पुलिस प्रशासन के आश्वासन पर धरना स्थगित कर दिया।

हरियाणा में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक

गुरग्राम (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन काफी हंगामेदार रहा। सदन में वंदे मातरम पर चर्चा से लेकर मुख्यमंत्री और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सत्र के दौरान विधायक घनश्याम ने वंदे मातरम पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस विधायक ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि पहाड़ों को उद्योगपतियों को बेचा जा रहा है। इस पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि आपने विभाजन के समय वंदे मातरम को काट दिया था। इस बयान के बाद सदन में जमकर नारेबाजी हुई और स्पीकर हरविंद्र कल्याण को सदन की कार्यवाही 30 मिनट (लंच तक) के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस द्वारा लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चुटकी ली। उन्होंने ध्यान दिलाया कि नोटिस पर विपक्ष के नेता (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) के हस्ताक्षर नहीं थे। कांग्रेस को हुड्डा पर यकीन नहीं, देश की जनता को कांग्रेस पर नहीं, पर सदन में विपक्ष चाहिए था, हम तो हुड्डा साहब ही चाहते थे, चाहे कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चाहे या न चाहे। हुड्डा साहब ही सही इस बयान के बाद कांग्रेस विधायक वेल में आ गए और जोरदार हंगामा किया। हंगामे के दौरान जब मंत्री विज बोलना चाहते थे, तब स्पीकर ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर विज नाराज हो गए और स्पीकर से ही भिड़ गए। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली से कई एयरलाइन की 27 उड़ानें और इंडिगो की 59 घरेलू उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। घने कोहरे और उसकी वजह से दृश्यता कम होने के कारण गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर कई एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई के परिचालन में देरी हुई। आधिकारिक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बीच इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक उसने अपने घरेलू नेटवर्क में 59 उड़ानें रद्द कर दी हैं। सूत्र ने बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। यात्रियों के लिए जारी एक परामर्श में डायल ने कहा कि घने कोहरे के कारण उड़ान संचालन वर्तमान में कैट (श्रेणी)-तीन की स्थितियों के अंतर्गत आता है। इस तरह की परिस्थितियों में परिचालन में देरी या व्यवधान हो सकता है। इंडिगो की वेबसाइट के मुताबिक एयरलाइन ने गुरुवार को 59 उड़ानें रद्द की थी और शुक्रवार के लिए 28 और उड़ानें रद्द कीं। हालांकि, इंडिगो ने इसका कोई कारण नहीं बताया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने की एक और गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में 16 दिसंबर को एक और गिरफ्तारी की है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार सौम्या चौरसिया को रायपुर की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया जहां से उसे तीन दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एसीबी-ईओडब्ल्यू द्वारा आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की है। पुलिस की जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अपराधों के माध्यम से लाभार्थियों को फायदा पहुंचाने के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय उत्पन्न हुई। ईडी की जांच में पता चला कि सौम्या को लगभग 115.5 करोड़ रुपये की रिश्वत प्राप्त हुई थी। ईडी की जांच में डिजिटल रिकॉर्ड, जब्त सामग्री और लिखित बयानों के रूप में जुटाए गए सबूतों से यह साबित हुआ कि सौम्या शराब गिरोह की सक्रिय सहयोगी थी। डिजिटल साक्ष्य से पुष्टि हुई कि वह अनिल टूटेजा और चैतन्य बघेल सहित शराब गिरोह के प्रमुख सदस्यों के बीच केंद्रीय समन्वयकर्ता एवं मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी तथा अवैध धन के सृजन एवं धनशोधन में सुविधा प्रदान कर रही थी। बरामद चैट से यह भी पता चला कि वह गिरोह के प्रारंभिक संगठन में शामिल थी जिसमें अरुण पति त्रिपाठी और निरंजन दास को आबकारी विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करने में सहायता करना भी शामिल था। इससे पहले ईडी ने संबंधित मामले में अनिल टूटेजा (पूर्व आईएएस); अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर, अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस), कवासी लखमा (छत्तीसगढ़ के तत्कालीन आबकारी मंत्री) और चैतन्य बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र) को गिरफ्तार किया गया है।

मध्य प्रदेश के साईं भक्तों ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया

शिर्डी (एजेंसी)। देश और विदेश के करोड़ों भक्तों की श्रद्धा का स्थान शिरडी के साईं बाबा में अटूट आस्था है। साईं बाबा के चरणों में भक्त अपना आभार जताने के लिए अलग-अलग तरह के दान करते हैं। इसी भावना के साथ, मध्य प्रदेश के हरदासपुर के एक साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने साईं बाबा के चरणों में 20 लाख रुपये का सोने का मुकुट चढ़ाया है। मध्य प्रदेश के हरदासपुर के रहने वाले तेज बहादुर सिंह 2002 से शिरडी साईं बाबा के दर्शन के लिए आ रहे हैं। पिछले 24 सालों से साईं बाबा में उनकी अटूट आस्था है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में साईं बाबा से जो कुछ भी मांगा, वह सब मुझे मिला। 24 साल बाद, साईं बाबा की कृपा से मुझे एक बेटा हुआ। मैंने अपनी जिंदगी में कई बड़ी मुश्किलों का सामना किया। हालांकि, साईं बाबा ने मुझे हमेशा उन मुश्किलों से बाहर निकाला। तेज बहादुर सिंह, जो पहले बहुत मुश्किल हालात में रहे थे, ने कहा है कि आज उन्हें जो भी कामयाबी, खुशी, खुशहाली और सुकून मिला है, वह सब साईं बाबा की कृपा से है। तेज बहादुर सिंह ने कहा, आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह साईं बाबा की कृपा से है। इसलिए मुझे साईं बाबा को कुछ देना है। इसी भावना से मैंने यह सोने का मुकुट चढ़ाया है। दरअसल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह ने श्रद्धा के साथ साईं बाबा के चरणों में करीब 200 ग्राम वज़न का एक आकर्षक और खूबसूरती से सजा हुआ सोने का मुकुट चढ़ाया। इस कलात्मक सोने के मुकुट की कीमत करीब 20 लाख 16 हज़ार रुपये है। साईं बाबा के चरणों में सोने का मुकुट चढ़ाने के बाद, इसे साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे को सौंप दिया गया। इस मौके पर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने दरियादिल साईं भक्त तेज बहादुर सिंह को सम्मानित किया और उनकी आस्था और योगदान के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया।

यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं: राष्ट्रपति

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रकिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है।

राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएँ ग्रहण कीं।

केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएँ भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है।

श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियाँ पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति। राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों , विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है। श्रीमती मुर्मु ने संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके प्रयासों में लगातार सफलता मिलने की शुभकामनाएं दीं।

सीएम सरमा की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : गौरव गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि असम के सीएम हिमंत विस्वा सरमा की धमकियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री की धमकियों और डराने से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें ऐसा करते रहने दीजिए। आजकल उनकी बातों से राज्य के लोगों को फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि सीएम सरमा की धमकियों की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। गोगोई ने कहा कि सीएम सरमा अगले चार महीने जो चाहे कर सकते हैं, लेकिन सत्ता से बाहर होने के बाद उन्हें जनता के बीच ही रहना होगा। सीएम पिछले कुछ महीनों से गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाते हुए लगातार हमले कर रहे हैं। कोलबर्न ब्रिटेन की नागरिक हैं। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने 10 सितंबर को सीएम सरमा को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। सरमा ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया जाएगा। सीएम सरमा ने यह भी कहा कि एसआईटी जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में आरोप-पत्र दाखिल कर चुकी है, अब हम गौरव गोगोई के मामले पर आगे बढ़ेंगे। गर्ग हत्याकांड में सीआईडी की विशेष जांच टीम द्वारा दाखिल आरोप-पत्र का जिक्र करते हुए गोगोई ने कहा कि राज्य के अनुभवी वकीलों की टिप्पणियों से स्पष्ट होता है कि यह आरोप-पत्र अत्यंत कमजोर है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आरोप-पत्र सीएम सरकार के करीबी सहयोगी श्यामकानु महंत को बचाने की रणनीति के तहत सोच-समझकर तैयार किया गया है। इसमें कई प्रमुख आरोपियों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं, जिन्हें किया जाना चाहिए था।

सीएम ममता ने 'कर्मश्री' योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और वैचारिक बयान देते हुए राज्य सरकार की रोजगार योजना कर्मश्री का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर शर्म महसूस होती है कि राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गांधी के नाम को कल्याणकारी योजनाओं से हटाया जा रहा है। ममता बनर्जी का इशारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम में किए गए कथित बदलावों की ओर था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कर्मश्री' योजना के तहत राज्य में 75 से 100 दिनों तक रोजगार दिया जाता है और अब यह योजना महात्मा गांधी के नाम से जानी जाएगी। ममता बनर्जी ने भावुक अंदाज़ में कहा, मैं वास्तव में शर्मिंदा हूं। राष्ट्रपिता का नाम योजनाओं से हटाया जा रहा है। मैं किसी और को दोष नहीं देती, क्योंकि मैं इसी देश की नागरिक हूं। हम राष्ट्रपिता को भूलते जा रहे हैं, यह दुखद है। उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि अगर केंद्र महात्मा गांधी को सम्मान नहीं देगा तो बंगाल देगा। ममता ने कहा, अगर आप महात्मा गांधी का सम्मान नहीं करेंगे, तो हम करेंगे। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव आंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरदार पटेल और लाल-बाल-पाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की समावेशी संस्कृति की बात करते हुए कहा कि राज्य हर समुदाय और हर विचारधारा का सम्मान करता है। देखा जाये तो यह बयान ऐसे समय आया है जब मनरेगा के नाम और पहचान को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस चल रही है और तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र सरकार की इतिहास और प्रतीकों को बदलने की राजनीति बता रही है।

कर्नाटक में सिद्धारमैया गुट के 30 विधायकों का रात्रिभोज... सीएम बदलाव की अटकलें फिर तेज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही खींचतान और बदलाव की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। बेलगावी में वरिष्ठ लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का समर्थन करने वाले विधायक शामिल हुए। इस जमावड़े में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्धारमैया तथा विधायक के एन राजन्ना सहित तीस से अधिक विधायक शामिल हुए। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। जारकीहोली ने बैठक को राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान एक सामान्य सामाजिक मेलजोल बताया है लेकिन इसमें शामिल कई विधायकों ने संकेत दिया कि वहां राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के करीबी राजन्ना ने पुष्टि की कि पार्टी की रणनीति और नेतृत्व से जुड़े मामले बातचीत का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि इस तरह की बैठकें केवल सामाजिक मेलजोल के अलावा कई अन्य उद्देश्यों को भी पूरा करती हैं। यह रात्रिभोज उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इसी तरह के एक कार्यक्रम की मेजबानी किए जाने के एक सप्ताह बाद हुआ है। इससे कर्नाटक कांग्रेस के भीतर स्पष्ट गुटबाजी और अलग अलग ध्रुवों का साफ पता लगाता है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपना ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं ने जोर पकड़ लिया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच साल 2023 के सत्ता साझाकरण समझौते की खबरें लगातार चर्चा में हैं हालांकि पार्टी आलाकमान के निर्देश पर दोनों नेताओं ने हाल ही में एक दूसरे के आवास पर मुलाकात की है। इससे फिलहाल श्री सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने और नेतृत्व की खींचतान में अस्थायी विराम का संकेत मिलता है।

वहीं विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के सीएम सिद्धारमैया को विदा होने वाला मुख्यमंत्री कहने पर यतींद्र ने कहा कि ऐसी आलोचनाएं लंबे समय से चल रही हैं और इनका कोई विशेष महत्व नहीं है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सत्र के दौरान ऐसी बैठकें सामान्य होती हैं लेकिन ये पार्टी विधायकों के भीतर आंतरिक समीकरणों और निष्ठाओं को जरूर प्रदर्शित करती हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का शिकंजा : युवराज, सोनू सूद, उर्वशी की करोड़ों की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन सट्टेबाजी 1×बेट ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटिज की करोड़ों की संपत्ति जब्त कर ली है। 1×बेट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने नए प्रोविजनल अटैचमेंट किए हैं, जिन लोगों की संपत्तियां अटैच की गई हैं, उनमें युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा के नाम शामिल हैं। यह जांच कथित अवैध बेटिंग ऐप्स से जुड़ी है, जिन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है या बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी की है। कंपनी का दावा है कि 1×बेट एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बुकी है, जो पिछले 18 सालों से बेटिंग इंडस्ट्री में है।

वायु प्रदूषण पर चर्चा से भागी सरकार... ये शीतकालीन नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र

-कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि हाल ही में समाप्त हुआ संसद का शीतकालीन सत्र सरकार की इस मुद्दे पर बहस करने की अनिच्छा के कारण प्रभावी रूप से प्रदूषण सत्र में बदल गया। प्रेसवार्ता को संबोधित कर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि संसद में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया से उन्हें गहरा सदमा लगा, जिसमें उन्होंने प्रदूषण और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों के बीच किसी भी संबंध से इंकार किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह शीतकालीन सत्र नहीं, बल्कि प्रदूषण सत्र था। मैं तब स्तब्ध रह गया जब सरकार ने गुरुवार को संसद में यह जवाब दिया कि प्रदूषण और फेफड़ों की समस्याओं के बीच कोई संबंध नहीं है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश भर में, विशेष रूप से उत्तर भारत में, जहां प्रदूषण का स्तर हफ्तों से गंभीर बना हुआ है, बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा की बार-बार मांग की थी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग की थी। हम लोकसभा और राज्यसभा में वायु प्रदूषण पर बहस चाहते थे। कांग्रेस नेता ने केंद्र के उस दावे को खारिज किया कि विपक्ष द्वारा व्यवधान डालने से प्रदूषण पर बहस नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि विपक्ष की मांगों के बावजूद लोकसभा को इस मुद्दे पर चर्चा किए बिना अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया। दुर्भाग्य से, लोकसभा में ही सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की गई।

केंद्र के आरोपों पर कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि चर्चा न होने की जिम्मेदारी सरकार की है। 'सरकार का यह बयान कि कांग्रेस के कारण प्रदूषण पर चर्चा नहीं हो सकी, गलत है। मैं इस बयान को पूरी तरह से खारिज करता हूं। रमेश की ये टिप्पणी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कांग्रेस पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वायु प्रदूषण पर प्रस्तावित चर्चा को बाधित करने का आरोप लगाने के बाद आई है। रिजिजू ने दावा किया था कि सरकार पूरे दिन की बहस के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष के व्यवधान के कारण ऐसा करने से रोक दिया गया।

संसद में सवाल के बदले नकदी मामले में महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत

-हाईकोर्ट ने लोकपाल का आदेश किया रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में सवाल पूछने के बदले नकदी लेने के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी कानूनी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने भारत के लोकपाल के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को महुआ मोइत्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दी गई थी। अदालत के इस फैसले को मोइत्रा के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर शामिल थे, ने महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। इससे पहले कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। महुआ मोइत्रा ने लोकपाल के 12 नवंबर के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सीबीआई को उनके खिलाफ जांच और आगे की कार्रवाई की अनुमति दी गई थी।

सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता निधेश गुप्ता ने दलील दी कि लोकपाल ने लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उनका कहना था कि अधिनियम की धारा 20(7) के तहत लोकपाल को किसी भी लोकसेवक के खिलाफ कार्रवाई से पहले उसका पक्ष जानना अनिवार्य है। हालांकि महुआ मोइत्रा से लिखित जवाब मांगा गया था, लेकिन उनके अनुसार लोकपाल ने उनके जवाबों पर समुचित विचार किए बिना ही सीबीआई को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति दे दी।

मामले की पृष्ठभूमि में आरोप है कि महुआ मोइत्रा ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे का दावा था कि ये आरोप उन्हें वकील जयअनंत देहादराई से प्राप्त सबूतों के आधार पर लगे हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनियों के हित में संसद में सवाल उठाए।

भाजपा सांसद का यह भी दावा था कि महुआ मोइत्रा द्वारा पूछे गए 61 सवालों में से करीब 50 सवाल सीधे तौर पर हीरानंदानी समूह को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से थे। दूसरी ओर, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने लोकपाल के आदेश का बचाव करते हुए कहा था कि आरोपी को मौखिक सुनवाई का कोई अधिकार नहीं है और महुआ मोइत्रा को लिखित टिप्पणी देने का पूरा अवसर दिया गया था। हाईकोर्ट के ताजा फैसले से फिलहाल महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई पर विराम लग गया है।

दूसरे धर्म में लड़की ने की शादी पिता ने किया संपत्ति से बेदखल, कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति के अधिकार को लेकर एक अहम फैसला दिया है। उसने टेस्टेटर की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए एक पिता की वसीयत को वैध ठहराया है, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी शैला जोसेफ को समुदाय से बाहर के लड़के से शादी करने के कारण संपत्ति से वंचित कर दिया था। यह मामला लैंगिक समानता के कई ऐतिहासिक फैसलों के बावजूद वसीयत की स्वतंत्रता को अहमियत देता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने केरल हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसलों को पलट दिया, जिन्होंने वसीयत को दरकिनार करते हुए एनएस श्रीधरन की संपत्ति को नौ बच्चों में बराबर बांटने का आदेश दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीधरन के नौ बच्चे थे, लेकिन 1988 में बनाई गई उनकी रजिस्टर्ड वसीयत में शैला को छोड़कर बाकी आठ बच्चों को संपत्ति सौंप दी गई थी। वजह थी शैला का समुदाय से बाहर शादी करना। जजमेंट लिखते हुए जस्टिस चंद्रन ने कहा कि वसीयत स्पष्ट रूप से साबित हो चुकी है, इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले रद्द किए जाते हैं। शैला जोसेफ का अपने पिता की संपत्ति पर कोई दावा नहीं है, क्योंकि वसीयत से यह संपत्ति अन्य भाई-बहनों को सौंप दी गई है।

कोर्ट में शैला की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी कृष्णन ने तर्क दिया कि उनकी क्लाइंट को कम से कम 1/9 हिस्सा मिलना चाहिए, जो संपत्ति का नगण्य हिस्सा है, लेकिन बेंच ने स्पष्ट किया कि संपत्ति के बंटवारे में व्यक्ति की इच्छा के मामले में समानता का सवाल उठता ही नहीं। हम इक्विटी पर नहीं हैं। टेस्टेटर की इच्छा सर्वोपरि है। उसकी अंतिम वसीयत से विचलन या उसे निरस्त नहीं किया जा सकता।

बेंच ने टिप्पणी की कि वंचित करने की वजह बताई गई है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता हमारे लिए सावधानी का नियम नहीं तय करती। हम टेस्टेटर की जगह खुद को नहीं रख सकते। हम अपनी राय थोप नहीं सकते, उनकी इच्छा उनकी अपनी वजहों से प्रेरित है। फैसले में सिविल अपीलों को मंजूर करते हुए शैला की पार्टिशन सूट को खारिज कर दिया। मामला केरल का है, जहां श्रीधरन की मौत के बाद 1990 में भाई-बहनों ने इंजेक्शन सूट दाखिल किया था और वसीयत की कॉपी पेश की थी। शैला ने उसमें हिस्सा नहीं लिया, जिसे कोर्ट ने बाद में उनके खिलाफ माना

मांडलगढ़ में 'आंकड़ों' की बाजीगरी, अव्यवस्थाओं की मार: सीएम के संबोधन से पहले ही खाली हुआ पंडाल, 5 घंटे 'कैद' रहे लोग

सौगातों के शोर में दबी जनता की चीख: न पीने का पानी मिला, न टॉयलेट की व्यवस्था; महिलाओं को झेलनी पड़ी भारी फजीहत

खाद किल्लत और अवैध खनन पर मुख्यमंत्री की चुप्पी से किसानों और ग्रामीणों में छाई मायूस

मीडिया पर पहरा: प्रदर्शनी कवरेज से रोका, टाइट सिक्योरिटी के नाम पर सूचनाओं को दबाने का प्रयास

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मांडलगढ़ दौरा सरकारी आंकड़ों और फीता काटो अभियान तक ही सीमित नजर आया। मांडलगढ़ के विद्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित जनसभा प्रशासन की कुप्रबंधन और जनता की नाराजगी की गवाह बनी।

322 करोड़ के विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण की चमक तब फीकी पड़ गई, जब मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान ही परेशान जनता पंडाल छोड़कर बाहर निकलने लगी। आलम यह था कि सीएम का संबोधन खत्म होने से पहले ही आधा पंडाल खाली हो चुका था।

अव्यवस्थाओं का 'चक्रव्यूह': 5 घंटे तक पंडाल में कैद रही जनता

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने भीड़ जुटाने की होड़ में ग्रामीणों को सुबह 11 बजे ही पंडाल में बिठा दिया था। दोपहर 1 बजे तक पंडाल भर गया, लेकिन प्रशासन की सख्ती ऐसी थी कि जो एक बार अंदर बैठ गया, उसे बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री के देरी से आने के कारण बुजुर्ग, बच्चे और महिलाएं 5 घंटे तक उमस और अव्यवस्था के बीच फंसे रहे।

कोई नई घोषणा नहीं, केवल आंकड़ों की बाजीगरी

मुख्यमंत्री के संबोधन से मांडलगढ़ की जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्होंने अपने भाषण में केवल बजट और आंकड़ों का ही जिक्र किया। क्षेत्र के लिए किसी भी नई बड़ी परियोजना की घोषणा नहीं की गई। मांडलगढ़ विधायक ने भी केवल पुराने कार्यों की ही फेहरिस्त गिनाई।

ज्वलंत मुद्दों पर मौन रहे मुख्यमंत्री

वर्तमान में मांडलगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में किसान यूरिया खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। वहीं बिजोलिया और मांडलगढ़ क्षेत्र में रेत माफिया और अवैध खनन का बोलबाला है। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री इन पर कोई कड़ा संदेश देंगे, लेकिन इन ज्वलंत मुद्दों पर सीएम का मौन रहना क्षेत्रवासियों को अखर गया।

खतरनाक कौतूहल: दीवारों पर चढ़ी भीड़

मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर को देखने के चक्कर में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई। सैकड़ों की भीड़ विद्यालय की पुरानी और ऊंची दीवारों पर चढ़ गई। सुरक्षाकर्मियों की अनदेखी के चलते यहाँ किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता था।

शहरवासियों ने बनाई दूरी

नगर पालिका प्रशासन की अव्यवस्था और प्रशासनिक हठधर्मिता के चलते मांडलगढ़ शहर के गिने-चुने लोगों ने ही जनसभा में हिस्सा लिया। शहरवासियों की यह अनुपस्थिति सरकार और स्थानीय प्रशासन के प्रति बढ़ती नाराजगी का स्पष्ट संकेत है।

पानी और टॉयलेट के लिए तरसे लोग

नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही का आलम यह रहा कि जनसभा स्थल पर मूलभूत जनसुविधाएं नदारद थीं। पानी का टैंकर पंडाल से इतनी दूर खड़ा किया गया कि प्यास से व्याकुल महिलाओं की नजर तक वहां नहीं पहुंची। टॉयलेट की व्यवस्था न होने से महिलाओं को सबसे ज्यादा शर्मिंदगी और परेशानी झेलनी पड़ी। लोग अपनी बेबसी पर जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका प्रशासन को कोसते नजर आए।

सुरक्षा का पहरा या मीडिया पर पाबंदी?

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को भी इस कार्यक्रम में भारी अपमान झेलना पड़ा। टाइट सिक्योरिटी का हवाला देकर मीडियाकर्मियों को सरकारी प्रदर्शनी की ओर जाने से रोक दिया गया। कवरेज में आई इन बाधाओं के कारण पत्रकारों में भी भारी रोष देखा गया।

पिला मंगरा जंगल कटाई मामला: 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य के निर्देशन में एवं वृताधिकारी शाहपुरा ओम प्रकाश के सुपरवीजन में थानाधिकारी शाहपुरा सुरेश चन्द्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

मामले में 20 नवंबर 2025 को आबीद खां कायमखानी पिता अयूब कायमखानी निवासी माण्डल गेट बनेड़ा, हाल सहायक वनपाल शाहपुरा द्वारा थाना शाहपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट में बताया गया कि 5 नवंबर 2025 को कार्यालय नाका शाहपुरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बोरड़ा बावरियान के घास बीड़ पिला मगरा क्षेत्र में जेसीबी मशीनों से अवैध रूप से विलायती बबूल के पेड़ों को ठूंठ सहित उखाड़े जाने की सूचना मिली।

सूचना पर वनपाल नाका प्रभारी विश्राम मीणा के संपर्क करने के बाद वन विभाग का स्टाफ मौके पर पहुंचा। स्टाफ द्वारा करीब 15 जेसीबी मशीनों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन आरोपियों ने जबरन झगड़ा और मारपीट करते हुए जेसीबी मशीनों को मौके से भगा लिया। आरोपियों द्वारा स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की कर वाहन में बैठकर फरार हो गए।

मौके पर मुख्य आरोपी की पहचान पीर मोहम्मद पुत्र अब्दुल पठान निवासी बैरवा मोहल्ला खातनखेड़ी के रूप में की गई। आरोपी काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन नंबर आरजे 08 यूए 6058 में सवार था, जबकि उसके अन्य साथी वाहन नंबर आरजे 06 सीएफ 4637 में थे। अवैध कटाई से पिला मंगरा क्षेत्र में करीब 8 से 10 हेक्टेयर क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ।

गिरफ्तारी की कार्रवाई

मामले में थाना शाहपुरा में मुकदमा नंबर 313/2025 धारा 121(1), 132, 61(2), 62, 303(2) बीएनएस एवं 3 पीडीपीपी एक्ट में दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। अनुसंधान के दौरान गठित टीम ने लगातार प्रयास करते हुए फरार आरोपी की लोकेशन ट्रेस की और अंततः तिरुवनन्तपुरम, केरल से डिटेन कर गिरफ्तार किया। आरोपी से अवैध कटाई में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ जारी है। इस मामले में वन विभाग जिला स्तर व ब्लॉक स्तर के अधिकारी निलंबित हो चुके है।

लापरवाही की इंतहा: स्कूल बस का स्टेयरिंग फेल, 6 बच्चे व ड्राइवर घायल

बड़ा हादसा टला प्रशासन व स्कूल प्रबंधन कटघरे में

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। स्कूल प्रशासन और स्थानीय प्रशासन की गंभीर लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। ज्ञानदीप स्कूल की एक बस स्टेयरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। बस में दर्जनों स्कूली बच्चे सवार थे, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होते-होते टल गया, अन्यथा कई मासूम जिंदगियों पर संकट आ सकता था।

जानकारी के अनुसार ज्ञानदीप स्कूल की बस जहाजपुर से सरसिया की ओर बच्चों को छोड़ने जा रही थी। सरसिया रोड पर नागोला के पास अचानक बस का स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे बस असंतुलित होकर सड़क से नीचे उतर गई। घटना में ड्राइवर सहित छह बच्चे घायल हो गए।

सूचना मिलते ही जहाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। घायल दो बच्चों को तत्काल

अस्पताल पहुंचाया गया, जहां आरबी मीणा व ऋषिराज को मामूली चोटें आने की पुष्टि हुई है।

घटना को लेकर पूर्व सरपंच खेमराज मीणा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 'करीब डेढ़ महीने पहले ही हमने उपखंड अधिकारी को इस बस की हालत को लेकर चेताया था, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया।'

वहीं घटनास्थल पर मौजूद महिला अभिभावकों का कहना है कि बच्चे खुद भी इस बस में बैठने से मना कर चुके थे, लेकिन स्कूल प्रशासन की हठधर्मिता के चलते मजबूरी में बच्चों को इसी जर्जर बस से भेजा जाता रहा।

अभिभावकों ने बताया कि 40 सीटर बस में रोजाना करीब 65 बच्चों को ठूंस-ठूंस कर बैठाया जाता था। बस में आए दिन कभी ब्रेक फेल होते थे, कभी स्टेयरिंग जवाब दे जाती थी, तो कभी टायर निकल जाता था। इस संबंध में कई बार स्कूल प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन न तो स्कूल प्रबंधन और न ही स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई की।

प्रताप नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तीन थानों का वांछित हिस्ट्रीशीटर राहुल उर्फ मुरली कुमावत गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल / पुनित चपलोत

गिरफ्तारी वारंट में तलाश जारी थी।

भीलवाड़ा। प्रताप नगर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए तीन थानों में वांछित चल रहे हिस्ट्रीशीटर राहुल उर्फ मुरली कुमावत को गिरफ्तार किया है । जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा अपराधियों और वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रतापनगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन थानों में वांछित चल रहे हिस्ट्रीशीटर राहुल उर्फ मुरली कुमावत को गिरफ्तार किया है।

इन मामलों में था वांछित:

पकड़ा गया आरोपी राहुल उर्फ मुरली कुमावत (35), निवासी रूपाहेली खुर्द (रायला), वर्तमान में बापूनगर (प्रतापनगर) का रहने वाला है। वह प्रतापनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है और लंबे समय से फरार चल रहा था। इसके खिलाफ थाना सुभाषनगर व मांडल में स्थाई वारंट लंबित थे। थाना रायला में

पुलिस टीम और कार्रवाई

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और वृत्ताधिकारी (शहर) सज्जन सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने खुफिया जानकारी (आसूचना) संकलित कर सटीक कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया।

टीम के मुख्य सदस्य

इस कार्रवाई में थानाधिकारी राजपाल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक चिराग अली, कांस्टेबल धीरज शर्मा (विशेष योगदान), सुरेश विश्नोई (विशेष योगदान), राजेंद्र, महेंद्र और मगाराम शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल कर धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने अश्लील विडियो वायरल करने वाले आरोप को गिरफ्तार किया है । इस मामले में आरोपी आईदान बंजारा गिरफ्तार हुआ है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त व आपराधिक मामलो में वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी को गम्भीरता से लेते हुए एएसपी पारस जैन के निर्देशन में और वृताधिकारी सज्जन सिंह वृत शहर भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में थानाप्रभारी राजपाल सिहं प्रतापनगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। प्रकरण के अनुसार प्रार्थिया की पुत्री की शादी से पुर्व इन्स्टाग्राम आईडी पर आरोपी आईदान बंजारा पुत्र दुर्गा बंजारा निवासी बंजारो का झोपडा मनखडी पुलिस थाना बडलियास जिला भीलवाडा द्वारा आपत्तिजनक फोटो वायरल कर प्रार्थिया के पति को जान से मारने की धमकी देकर रुपए की मांग की गई। उक्त रिपोर्ट पर आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की । थाना प्रतापनगर की टीम ने सुचना एकत्रित कर आईदान बंजारा को गिरफतार किया और आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोबाईल बरामद किया गया। टीम में राजपाल सिंह थानाधिकारी थाना प्रतापनगर, हैड कॉन्स्टेबल सुनिल, कांस्टेबल प्रकाश, धीरज शामिल थे ।

गिरफ्तार अभियुक्त:-

आईदान बंजारा पुत्र दुर्गा बंजारा निवासी बंजारो का झोपडा मनखडी पुलिस थाना बडलियास

कुटरचित तरीके से फर्जी इकरारनामा किया, जमीन बेचकर 23 लाख रु हड़पे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने एक और बड़ी कार्यवाही करते हुए फर्जी इकरारनामा करके दुसरे की जमीन बेचकर 23 लाख रूपये हडपने के आरोपी को गिरफतार कर लिया । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा थाना प्रतापनगर क्षेत्र में चल रहे वाछिंत आरोपियों की गिरफ्तारी को गम्भीरता से लेते हुए एएसपी पारस जैन के निर्देशन में एवं सज्जन सिहं आरपीएस वृताधिकारी, वृत शहर भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में थानाप्रभारी राजपाल सिहं के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया । दिनांक 5 मई 2023 को प्रार्थी मनोज कुमार पिता मांगीलाल शर्मा निवासी डी-117 आर के कॉलोनी थाना सुभाषनगर ने एक रिपोर्ट दी और पुलिस को बताया कि आरोपी प्रहलाद नागला पुत्र किशन गोपाल नागला निवासी मालोला रोड गायत्रीनगर भीलवाडा ने 4 बीघा 5 बिस्वा भूमि में से 11.50 प्रतिशत हिस्से 23,00,000/- अक्षरे तैबीस लाख रूपये में मुझे व रामस्वरूप शर्मा को इकरार कर दिया और उस समय रामस्वरूप शर्मा ने मुझे विश्वास में लेकर कहा कि मेरे हिस्से के पैसे भी आप दे दो बाद में हिसाब कर आपको अमानत राशि वापस लौटा दूंगा जिस सौदे की सम्पूर्ण राशि जिसमें रामस्वरूप के हिस्से की राशि भी मुझ प्रार्थी ने विश्वास में आकर आरोपी प्रहलाद नागला को मेरे घर पर गवाह की मौजूदगी पर अदा कर दी उसके बाद आरोपी प्रहलाद नागला से जमीन का एक ईकरारनामा दिनांक 25.02.2020 को प्रार्थी व रामस्वरूप शर्मा के पक्ष में निष्पादित किया । जमीन के बारे में पत्ता लगाया तो पता चला कि उक्त जमीन जिसका एग्रीमेंट हुआ है, वह प्रहलाद नागला के नाम पर दर्ज नहीं होकर किसी अन्य के नाम पर है और मौके पर भी किसी अन्य का कब्जा है, उसने किसी अन्य के नाम की जमीन का सौदा कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर मेरे साथ कर लिया । आरोपी ने सोची समझी साजिश के तहत आपस में षड्यंत्र रचकर प्रार्थी के साथ छल कपट करते हुए स्वयं के नाम पर कोई जमीन नहीं होते हुए भी किसी अन्य की जमीन के फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर एवं दुसरो की जमीन को अपनी बताकर मेरे से अमानत 23 लाख रूपये की राशि झांसे में लेकर हड़प कर गए और मेरे साथ धोखाधडी कारित की हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की ओर आरोपी को पकड़ने के टीम गठित की । टीम द्वारा आरोपियों की लगातार सूचना एकत्रित कर टीम द्वारा भरसक प्रयास किए गए और आरोपी प्रहलाद नागला को गिरफतार कर लिया । टीम में राजपाल सिंह थानाधिकारी थाना प्रतापनगर, एचसी जानकीलाल, कांस्टेबल भगवान दास शामिल रहे।

एनडीपीएस एक्ट के मुख्य आरोपियों को 10-10 वर्ष का कठोर कारावास

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

थाना अधिकारी आरक्षी केंद्र बदनोर जिला भीलवाड़ा ने दिनांक 18 जून 2019 को चतरपुरा चौराहे पर पहुंच नाकाबंदी के दौरान अभियुक्त अनूप पुत्र बुद्धाराम बिश्नोई उम्र 22 वर्ष निवासी खारडा रणधीर थाना बनाड़ जिला जोधपुर और अभियुक्त राकेश पुत्र थाना राम विश्नोई उम्र 24 साल निवासी फिटकासनी थाना कुड़ी जिला जोधपुर के विरुद्ध धारा 08/15 एनडीपीएस एक्ट एवं अभियुक्त मनोहर सिंह पुत्र भोलीराम जाट उम्र 42 वर्ष निवासी अचलपुरा थाना बड़ी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ के विरुद्ध धारा 08/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप पत्र अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा में पेश किया जिस पर अभियुक्त अनूप व राकेश को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास एवं प्रत्येक को पचास हजार के अर्थ दंड हेतु दंडित किया गया यह फैसला अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश गुलाबपुरा विनोद कुमार वाजा ने सुनाया । अपर लोक अभियोजक रेखा चौहान ने बताया कि अभियुक्त अनूप तथा राकेश से 77 किलो अफीम डोडा पोस्त चूरा थाना बदनोर ने बरामद किया एवं उनके विरुद्ध 08/15 एनडीपीएस एक्ट एवं मनोहर सिंह के विरुद्ध 08/29 एनडीपीएस एक्ट में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया जिस पर न्यायाधीश ने निर्णय सुनाया अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करते हुए अपर लोक अभियोजक ने ट्रायल के दौरान अभियुक्त मनोहर सिंह धारा 08/29 एनडीपीएस एक्ट दोष मुक्त किया गया इस दौरान 16 गवाह,73 दस्तावेज एवं 16 आर्टिकल प्रस्तुत कराए।

रीझवास में तहसील प्रशासन ने हटाया आम रास्ते से अतिक्रमण

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

तहसील प्रशासन ने गांव रीझवास के आम रास्ते में हो रहे 20 साल पुराने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम एवं पुलिस जाब्ता मौजूद रहा।

तहसील के वरिष्ठ सहायक पवन सिंह जाट ने बताया कि गांव रीझवास में आम रास्ते में लंबे समय से अतिक्रमण हो रहा था जिससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित था। तहसीलदार संजीव धाकड़, थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर, गिरदावर रामकेश भागौड, लक्ष्मी नारायण शर्मा, पटवारी नेमीचंद, श्यामसिंह, दिनेश सहित काफी राजस्व कर्मी एव पुलिसकर्मी गांव रीझवास पहुंचे तथा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कई घंटों तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चली। इस दौरान काफी भीड़ मौजूद रही। आम रास्ते में कुछ लोगों ने करीब 20 साल से अतिक्रमण कर रखा था।

थाईलैंड से आए पार्सल में एक करोड़ का विदेशी गांजा बरामद

युवती से पूछताछ, अजमेर-पुष्कर से जुड़े तार

स्मार्ट हलचल

जयपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने फॉरेन पोस्टल ऑफिस जयपुर में थाईलैंड से आए एक इंटरनेशनल पार्सल से 650 ग्राम अवैध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया है। यह गांजा खाने के सामान, विशेष रूप से चिप्स के पैकेट के नीचे छुपाकर भेजा गया था। बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है।

अलग-अलग विदेशी ब्रांड के पैकेट मिले

तलाशी के दौरान हाइड्रोपोनिक वीड के तीन अलग-अलग पैकेट बरामद हुए हैं। इनमें कैलिफोर्निया यूएस का सुपरबुक, ब्रिटिश कोलंबिया का 'द किलर क्वीन' और वेस्ट कोस्ट यूएस का 'द आइसक्रीम केक' वीड शामिल है। इन पैकेटों का वजन क्रमशः 320 ग्राम, 110 ग्राम और 220 ग्राम पाया गया, जिससे कुल वजन 650 ग्राम हुआ।

सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई

कोटा के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि जयपुर सेल के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि थाईलैंड से एफपीओ कस्टम में आए एक पार्सल में खाने की चीजों के साथ अवैध रूप से हाइड्रोपोनिक वीड छुपाकर लाया गया है। सूचना के सत्यापन के बाद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो जयपुर सेल की टीम गठित कर यह कार्रवाई की गई।

युवती से पूछताछ, अजमेर-पुष्कर से जुड़े तार

जांच में सामने आया है कि यह पार्सल जयपुर में एक युवती ने मंगवाया था। युवती के अजमेर और पुष्कर से भी संबंध सामने आए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित युवती से लगातार पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्ती

पूरी जांच पड़ताल के बाद बरामद विदेशी गांजे को एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत जब्त कर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

हाइड्रोपोनिक वीड की खासियत

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के अनुसार, हाइड्रोपोनिक वीड पानी में उगाया जाने वाला गांजा है, जो आमतौर पर विदेशों में पाया जाता है। इसमें गांजे का नशीला तत्व सामान्य गांजे की तुलना में काफी अधिक होता है। इसी वजह से इसकी कीमत भी अधिक होती है और इसका इस्तेमाल प्रायः रेव पार्टियों में किया जाता है।

मेजा बांध के पेटा क्षेत्र में जलभराव बना दुविधा: 4 फीट गहरे पानी में जहरीले जीवों के बीच एक किलोमीटर चलकर टंकी तक पानी पहुंचा रहा नलकर्मी

स्मार्ट हलचल| सुरेश चंद्र

मांडल। मांडल तहसील के पीथास ग्राम में पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी निभा रहे नलकर्मी के लिए मेजा बांध के पेटा क्षेत्र में बना जलदाय विभाग का वाटर वर्क्स ग्रामीणों की सुविधा के बजाय अब गंभीर दुविधा का कारण बन गया है। जलभराव के चलते नलकर्मी को हर दिन जान जोखिम में डालकर टंकी तक पानी पहुंचाना पड़ रहा है।

कोठारी नदी में स्थित कुएं पर वाटर वर्क्स की मोटर लगी हुई है, जिसकी दूरी टंकी से करीब एक किलोमीटर है। नदी में लगातार जलभराव के कारण नलकर्मी नंदराम बलाई को पिछले करीब दो माह से प्रतिदिन तीन से चार फीट गहरे पानी में एक किलोमीटर आना-जाना करना पड़ रहा है। सर्दी और बरसात के मौसम में कपकपाती ठंड के बीच बिना किसी सुरक्षा संसाधन के पानी में उतरना उसकी मजबूरी बन गई है।

नलकर्मी ने बताया कि प्रतिदिन वाटर वर्क्स की टंकियों को भरने में लगभग 9 घंटे लग जाते हैं, जबकि इसके बाद गांव में करीब 4 घंटे पेयजल सप्लाई दी जाती है। पीथास के साथ-साथ मालीखेड़ा और स्कूल का खेड़ा क्षेत्र की तीन टंकियों में पानी भरकर आपूर्ति करना उसकी जिम्मेदारी है।

जलभराव के कारण पानी में जहरीले जीवों का खतरा भी बना रहता है। कभी सांप तो कभी अन्य जीव दिखाई देने के प्रमाण मिलते रहते हैं, जिससे भय के माहौल में काम करना पड़ता है। नलकर्मी का कहना है कि यदि वह पानी भरने नहीं जाए तो ग्रामीणों को पेयजल संकट झेलना पड़ेगा, और यदि जाए तो उसकी जान को हर समय खतरा बना रहता है।

इतना ही नहीं, कुएं पर लगी विद्युत कैची में फाल्ट आने पर लाइनमैन का काम भी उसी को करना पड़ता है। काम की जिम्मेदारी जरूरत से कहीं ज्यादा है, लेकिन इसके अनुपात में जलदाय विभाग से मिलने वाला वेतन काफी कम है। कम वेतन में परिवार का खर्च चलाना भी मुश्किल हो रहा है।

नलकर्मी ने बताया कि पूर्व में उसने संबंधित विभागीय अधिकारियों से वेतन बढ़ाने और वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की थी, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसे में जलदाय विभाग को न केवल कर्मी की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, बल्कि स्थायी समाधान कर ग्रामीणों की पेयजल व्यवस्था को भी सुरक्षित बनाना चाहिए।

अरावली पर्वतमाला को बचाने के लिए संघर्ष जारी, सरदरनगर शिविर में उठा मुद्दा

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

अरावली पर्वतमाला की संरक्षणात्मक परिभाषा को उसके मूल, व्यापक एवं पारिस्थितिक स्वरूप में यथावत बनाए रखने की मांग को लेकर पर्यावरण संरक्षण मंच की ओर से सरदारनगर में आयोजित शिविर में शिविर प्रभारी एवं विकास अधिकारी धर्मपाल परसोया एवं तहसीलदार संतोष सुनारीवाल को ज्ञापन सौंपा।

अरावली पर्वतमाला राजस्थान की पर्यावरणीय सुरक्षा, भू-जल पुनर्भरण, जलागम क्षेत्रों के संरक्षण एवं जैव विविधता के लिए रीढ़ के समान है। भीलवाड़ा जिला स्वयं अरावली क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां पर्वत, वन क्षेत्र, जलागम एवं स्थानीय पारिस्थितिकी सीधे तौर पर आमजन के जीवन और आजीविका को प्रभावित करती है।

यदि अरावली की परिभाषा को केवल सीमित, राजस्व या ऊंचाई आधारित दृष्टिकोण से संकुचित किया गया, तो इससे अरावली के प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरणीय संरचना को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका है।

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया, माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा अरावली को एक समग्र भू-आकृतिक एवं पारिस्थितिक पर्वत प्रणाली के रूप में मान्यता दी गई है, जिसमें वन, गैर-वन, चारागाह, राजस्व एवं निजी भूमि पर स्थित पहाड़, रिज एवं जलागम क्षेत्र सम्मिलित हैं। इसी दृष्टिकोण को अपनाते हुए संरक्षणात्मक परिभाषा को बनाए रखना जनहित में आवश्यक है।यह दृष्टिकोण पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986वन संरक्षण अधिनियम 1980 वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972संविधान के अनुच्छेद 48 ए एव 51 ए(2)तथा भारत की अन्तराष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओ के विपरीत है। ज्ञापन देने वालों में शिवा माली भवर साहु रामप्रसाद बद्रीलाल कालु तेली रामस्वरूप मोहन लाल आदि जने उपस्थित थे।

ऐतिहासिक लक्ष्मीनाथ मंदिर में पोष बड़ा महोत्सव 27 दिसंबर को

स्मार्ट हलचल | बूंदी

कार्यक्रम संयोजक राज कुमार दाधीच अध्यक्ष विनोद सिंह ने बताया कि 21 दिसंबर को सुबह11 बजे मंदिर के शिखर पर भगवान लक्ष्मी नाथ की वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना कर समारोह पूर्वक धर्म ध्वजा फहराई जाएगी। धर्म ध्वजा को पुरानी कोतवाली स्थित राव भाव सिंह के यहां से तिलक चौक जगदीश मंदिर होते हुए लक्ष्मी नाथ मंदिर जुलूस के रूप में लाया जाएगा।

उपाध्यक्ष मनीष सिसोदिया और सचिव रवि कुमार शर्मा ने बताया कि 27 दिसंबर शनिवार को प्रात 11 बजे मल मास ओर धर्म ध्वजा पर कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य भूपेंद्र शास्त्री द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर बड़ा रामद्वारा के पीठाधीश्वर आत्माराम महाराज आशीर्वचन देंगे। कोषाध्यक्ष विश्वनाथ भारद्वाज और राम स्वरूप सोनी ने बताया कि सायं 4 बजे भगवान लक्ष्मी नाथ की महाआरती होगी। बाद में पौष बड़ा का भोग लगाकर बाद में पत्तल पर बिठाकर प्रसादी वितरित की जाएगी।

संयोजक राजकुमार दाधीच ने बताया कि कार्य क्रम को सफल बनाने के लिए शनिवार को सभी तैयारियों को एक बैठक में अंतिम रूप दिया गया। बैठक में पदाधिकारियों के साथ, रणजीत शर्मा , लक्ष्मण सिंह, सलिल भाटी, अभिषेक सिसोदिया, , ऋतुराज दाधीच, पंकज दाधीच,, सुरेंद्र भारद्वाज, राजेंद्र भारद्वाज, देवी शंकर श्रृंगी, संजय तारवान, गिरीश सोनी, शैलेन्द्र लखोटिया, हरो ओम कश्यप, अनिल दाधीच, दिनेश शर्मा, गणेश सोनी, राम लक्ष्मण सोनी आदि शामिल रहे। पूरा महत्व के इस मंदिर में प्रतिवर्ष पौष बड़ा महोत्सव धूम धाम से मनाया जाता हैं।

राजकीय महाविद्यालय बनेड़ा की एन.एस.एस. इकाई द्वारा मानपुरा में द्वितीय एक दिवसीय शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल|बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में शनिवार को ग्राम मानपुरा में द्वितीय एक दिवसीय शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के गीत के साथ हुआ। यह शिविर प्राचार्य प्रो. डॉ. के.एल. मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार देसाई के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जागरूकता रैली और सामाजिक संदेश शिविर का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे महाविद्यालय परिसर से हुआ, जहाँ से स्वयंसेवक ग्राम मानपुरा के लिए रवाना हुए। गाँव में स्वयंसेवकों द्वारा एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक करना नशा मुक्ति अभियान को गति प्रदान करना था। विद्यार्थियों ने नारों और तख्तियों के माध्यम से मृत्यु भोज, बाल विवाह और नशाखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों के निवारण का संदेश दिया। साथ ही, शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए ग्रामीणों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। शिविर के बौद्धिक सत्र में विद्यार्थियों ने चार्ली नेचर पार्क का भ्रमण किया। यहाँ आयोजित बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता संजय जैन ने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए 'पौधारोपण और उनकी देखरेख' विषय पर विशेष वार्ता दी। श्री जैन ने युवाओं को बताया कि किस प्रकार एक छोटा सा पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राणवायु का आधार बन सकता है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने प्रकृति के साथ जुड़ाव महसूस किया और पर्यावरण प्रहरी बनने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यक्रम के दौरान एक विशेष अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। हाल ही में आयोजित खेल प्रतियोगिता में हैंडबॉल में उपविजेता रही महाविद्यालय की महिला खिलाड़ियों की टीम का माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. मीणा और खेल प्रभारी सुबोध कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास करते हैं बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। अंत में, प्राचार्य प्रो. डॉ. के.एल. मीणा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य 'स्वयं से पहले आप' की भावना को जागृत करना है। डॉ. सिद्धार्थ कुमार देसाई ने सभी स्वयंसेवकों को समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने हेतु प्रेरित किया।

इंतज़ार खत्म: अंटाली तहसील कार्यालय का लोकार्पण, ग्रामीणों ने जश्न मनाया

स्मार्ट हलचल|अंटाली

लंबे समय से प्रतीक्षित अंटाली तहसील कार्यालय का शनिवार को लोकार्पण हो गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मांडलगढ़ से वर्चुअल माध्यम से तहसील कार्यालय का लोकार्पण किया। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित यह भवन पिछले एक साल से तैयार था, लेकिन उद्घाटन नहीं होने के कारण बंद पड़ा था।

अब लोकार्पण के साथ तहसील का कामकाज औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा ।

अब तक हालात यह थे कि तहसील भवन अंटाली में बना था, लेकिन तहसीलदार शंभूगढ़ में बैठते थे एक छोटे से राजस्व कार्य के लिए भी किसानों और आमजन को 10 किलोमीटर तक भटकना पड़ता था। तहसील कार्यालय शुरू होने से अब नामांतरण, सीमांकन, खाता सुधार सहित अन्य राजस्व कार्य अंटाली में ही हो सकेंगे। इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को समय और धन दोनों की बचत होगी। लगातार खबरें प्रकाशित होने और 17 दिसंबर को पूर्व राजस्व मंत्री एवं कांग्रेस देहात जिला अध्यक्ष रामलाल जाट के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हुई। इसके बाद तहसील कार्यालय का लोकार्पण संभव हो सका ।

पिछले दिनों विधायक जबर सिंह सांखला ने जुलाई तक अंटाली तहसील शुरू करने का आश्वासन दिया था। भले ही इसमें कुछ देरी हुई, लेकिन शनिवार को मुख्यमंत्री द्वारा किए गए लोकार्पण के साथ उनका यह वादा पूरा हो गया। लोकार्पण के बाद क्षेत्रवासियों में खुशी और संतोष का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही परेशानी अब खत्म होगी और राजस्व से जुड़े कार्य स्थानीय स्तर पर आसानी से हो सकेंगे। तहसील कार्यालय के लोकार्पण की खबर मिलते ही अंटाली में ग्रामीणों ने खुशी का इज़हार किया। लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर जश्न मनाया और कहा कि वर्षों की मांग आखिरकार पूरी हुई।

सेवादल जिला कांग्रेस भीलवाड़ा अध्यक्ष सोनी ने दिया इस्तीफा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सेवादल जिला कांग्रेस भीलवाड़ा के जिला अध्यक्ष योगेश सोनी ने राजस्थान प्रदेश सेवादल अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत को पत्र लिखकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। योगेश सोनी ने कहा कि वे आगे भी सेवादल के कार्यकर्ता के रूप में कांग्रेस पार्टी का कार्य करते रहेंगे और जनहित के मुद्दे उठाते रहेंगे। इस्तीफे की प्रति जिला कांग्रेस अध्यक्ष भीलवाड़ा ग्रामीण रामलाल जाट एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष भीलवाड़ा शहर शिवराम खटीक को भी भेजी गई है।

मेजा बांध पर हादसा, जल स्तर देखने गए वृद्ध की डूबने से मौत

स्मार्ट हलचल

मांडल। मेजा बांध पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में जल स्तर देखने पहुंचे एक वृद्ध की पैर फिसलने से पानी में गिरकर डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बापू नगर, भीलवाड़ा निवासी नरेंद्र पुत्र ओंकार लाल जैन (उम्र 67 वर्ष) के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार नरेंद्र जैन शनिवार सुबह घर से मेजा बांध जाने की बात कहकर निकले थे। बांध पहुंचने के बाद उन्होंने परिजनों को फोन कर वहां सुरक्षित पहुंचने और कुछ देर में लौटने की जानकारी दी। इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो सका और मोबाइल फोन बंद आने लगा। काफी देर तक संपर्क नहीं होने पर परिजन स्वयं मेजा बांध पहुंचे, जहां बांध के पानी में उनका शव तैरता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एनडीआरएफ के जवानों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल भिजवाकर पोस्टमार्टम कराया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में पैर फिसलने से पानी में गिरने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

हमीरगढ़ तहसील अध्यक्ष आसाराम गुर्जर और जिला मीडिया प्रभारी बने रामस्वरूप तेली

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राष्ट्रीय गोरक्षा वाहिनी गौसेवा संघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव सिंह सेंगर व राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष उमेश जैन की सहमति से भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष नानूराम तेली ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये हमीरगढ़ तहसील अध्यक्ष पद पर आसाराम गुर्जर एवं जिला मीडिया प्रभारी पद पर रामस्वरूप तेली को मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन गौ सेवा और समाज हित में किए गए कार्यों को देखते हुए किया गया है, जिसकी अवधि मनोनयन की तिथि से एक वर्ष के लिए रहेगी। उनका कार्यकाल संतोषजनक पाए जाने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। इनकी नियुक्ति संगठन के विस्तार और कार्यों को नई गति प्रदान करेगी। गौ संरक्षण और संवर्धन के हमारे मिशन को भीलवाड़ा में मजबूती मिलेगी।''

रविवार को आयोजित होगी इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत

राजीनामे से होगा मामलों का निस्तारण, गठित की गईं 20 बेंचें

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के आदेशानुसार दिनांक 21 दिसम्बर (रविवार) को इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभय जैन ने जिले के समस्त न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। ष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सिविल, फौजदारी एवं राजस्व प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा। भीलवाड़ा जिले में राजीनामे हेतु चिन्हित प्रकरणों के लिए कुल 20 बेंचों का गठन किया गया है, जिनमें न्यायिक अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं अनुभवी अधिवक्ता सदस्य शामिल रहेंगे। ये सदस्य पक्षकारों को समझाइश कर आपसी सहमति से प्रकरणों का निस्तारण कराएंगे।

प्राधिकरण के सचिव विशाल भार्गव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा योग्य सभी प्रकार के मुकदमों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे बैंक, बिजली, ठेकेदारी सहित अन्य संस्थाओं से संबंधित प्रकरणों में लोक अदालत का लाभ उठाएं, जहाँ मूल राशि से कम भुगतान एवं ब्याज माफी के साथ मामलों का त्वरित निपटारा संभव है।

उन्होंने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों को साथ बैठाकर आपसी बातचीत एवं सहमति के आधार पर विवाद सुलझाने का प्रयास किया जाता है। लोक अदालत का वातावरण न्यायालय जैसा औपचारिक न होकर सहज एवं अनौपचारिक होता है, जिससे पक्षकार अपनी बात खुलकर रख सकते हैं। राजीनामा किसी पर थोपा नहीं जाता, बल्कि दोनों पक्षों की स्वेच्छिक सहमति से ही आदेश पारित किया जाता है।

पक्षकार अपने राजीनामा योग्य मामलों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित कराकर समय एवं धन की बचत कर सकते हैं।

श्याम भक्ति में सराबोर रहा काशीपुरी धाम, पोष बड़ा महोत्सव संपन्न

पुजारी रुपेंद्र शुक्ला एवं रवि पंडित द्वारा किया बाबा श्री श्याम का भव्य श्रृंगार, श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

स्मार्ट हलचल| पंकज पोरवाल

भीलवाडा। श्री श्याम मंदिर काशीपुरी धाम में शुक्रवार को पोष बड़ा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने भाग लेकर बाबा श्री श्याम के दर्शन कर धर्म लाभ अर्जित किया। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेश पोद्दार ने बताया कि महोत्सव के दौरान दोपहर से ही मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर रहा। सीमा सोनी द्वारा प्रस्तुत संगीतमय कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। समिति के मीडिया प्रभारी पंकज अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस अवसर पर बाबा श्री श्याम का भव्य श्रृंगार मंदिर के पुजारी रुपेंद्र शुक्ला एवं रवि पंडित द्वारा विधिवत रूप से किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो उठे। कार्यक्रम के समापन पर सायंकाल पोष बड़ा का प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में श्री श्याम महिला मंडल सहित समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। समिति ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं एवं आयोजन से जुड़े सेवाभावी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश यात्रा से

अग्रवाल उत्सव भवन में होने वाली कथा में प्रतिदिन होगा विभिन्न प्रसंगों का वाचन

स्मार्ट हलचल| महेन्द्र नागौरी

भीलवाड़ा। धर्मनगरी भीलवाड़ा में रविवार से 27 दिसम्बर तक रोडवेज बस स्टैण्ड के समीप स्थित अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित होने वाली संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शहर के पोरवाल परिवार के तत्वावधान में आयोजित इस सात दिवसीय ज्ञान महोत्सव में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक सोजत रामद्वारा के रामस्नेही संत श्री मुमुक्षु रामजी महाराज के मुखारबिंद से कथावाचन होगा।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का शुभारंभ रविवार को प्रातः 11.30 बजे मियाचंदजी की बावड़ी से कथास्थल अग्रवाल उत्सव भवन तक निकाली जाने वाली भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। आयोजन में भीलवाड़ा शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना है।

कथा के प्रथम दिवस व्यासपीठ पर श्रीमद् भागवत की स्थापना के साथ श्रीमद् भागवत महात्म्य एवं मंगलाचरण का वाचन होगा। द्वितीय दिवस 22 दिसम्बर को नारद-व्यास संवाद, श्री शुक्र-परीक्षित जन्म एवं भीष्म उपदेश प्रसंग सुनाए जाएंगे। 23 दिसम्बर को देवहूति-कपिल संवाद, जड़भरत, अजामिल एवं प्रह्लाद चरित्र का वाचन होगा।

चौथे दिवस 24 दिसम्बर को श्रीराम चरित्र, श्रीकृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा, इसी दिन सायं 7.30 बजे से रासलीला भी आयोजित होगी। 25 दिसम्बर को श्रीकृष्ण बाल लीलाएं एवं गोवर्धन पूजा प्रसंग का वाचन होगा। 26 दिसम्बर को रास महोत्सव, उद्धव-गोपी संवाद एवं रुक्मणी विवाह प्रसंग के साथ-साथ प्रातः 9 बजे मियाचंदजी की बावड़ी पर पथवारी पूजन तथा सायं 7.30 बजे कथास्थल पर भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा।

कथा महोत्सव का समापन 27 दिसम्बर को श्रीकृष्ण लीलाएं एवं सुदामा चरित्र के वाचन के पश्चात हवन व महाआरती के साथ होगा। समापन दिवस पर सायं 7 बजे से महाप्रसादी का आयोजन अग्रवाल उत्सव भवन में किया जाएगा।

आयोजकों ने अधिकाधिक धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से इस आध्यात्मिक आयोजन में सहभागी बनकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है।

न्यायाधीश ने किया सखी सेंटर व एवरेस्ट आश्रय स्थल का निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान की पालना में शुक्रवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भीलवाड़ा एवं अपर जिला न्यायाधीश विशाल भार्गव ने वन स्टॉप सेंटर (सखी सेंटर) भीलवाड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सखी सेंटर की प्रबंधक श्रीमती अनु कंवर से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को दी जा रही सुविधाओं, लंबित प्रकरणों, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं, पुलिस सुरक्षा तथा कानूनी सहायता की जानकारी ली गई। सचिव ने व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद एवरेस्ट आश्रय स्थल का भी निरीक्षण किया गया। यहां प्रबंधक श्रीमती कल्पना जौहरी से बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निंबाहेड़ा नगर परिषद में 'दशहरा लूट': 5.80 लाख का काम और भुगतान कर दिया 17 लाख! राजकोष में सेंधमारी का बड़ा खुलासा

कार्यादेश से 325% अधिक भुगतान पर बिफरी कांग्रेस, पूर्व पालिकाध्यक्ष शारदा ने कहा- यह शुद्ध रूप से भ्रष्टाचार का गठजोड़

स्मार्ट हलचल/ निंबाहेड़ा

फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी टेंडर में बड़ा खेल: 71% कम दर पर लिया था टेंडर, फिर मेहरबान हुए अधिकारी

निंबाहेड़ा नगर परिषद में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के नित नए मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला राष्ट्रीय दशहरा मेले में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के टेंडर से जुड़ा है, जहाँ नगर परिषद प्रशासन ने नियमों को ताक पर रखकर चहेते संवेदक को कार्यादेश राशि से 325% अधिक का भुगतान कर राजकोष को लाखों रुपये का चूना लगाया है। इस मामले के उजागर होने के बाद स्थानीय राजनीति में भूचाल आ गया है।

71% कम दर पर टेंडर, फिर 'डॉलर' की तरह बढ़ाया भुगतान

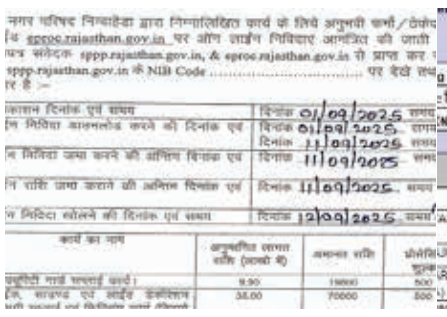

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा ने दस्तावेजों के साथ खुलासा किया कि नगर परिषद ने दशहरा मेले की फोटोग्राफी और ड्रोन वीडियोग्राफी के लिए 20 लाख रुपये का टेंडर निकाला था। इसमें 'राजनंदिनी स्टूडियो' ने 71% कम दर पर काम करना स्वीकार किया, जिसके आधार पर उसे 5.80 लाख रुपये का कार्यादेश (ङ्खश्रह्म्द्म ह्रह्म्स्रद्गह्म्) जारी हुआ। नियमों के मुताबिक भुगतान इसी राशि के आसपास होना चाहिए था, लेकिन परिषद के अधिकारियों ने जादूगरी दिखाते हुए संवेदक को 17 लाख रुपये से अधिक का भुगतान कर दिया। शारदा ने सवाल उठाया कि जब बोर्ड के पास भी 50% से अधिक राशि बढ़ाने का अधिकार नहीं है, तो अधिकारियों ने 325% अधिक भुगतान किस आधार पर किया?

भाजपा नेताओं और अधिकारियों के गठजोड़ का आरोप

नगर कांग्रेस अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल और पूर्व उपाध्यक्ष परवेज अहमद शिब्बी ने संयुक्त रूप से आरोप लगाया कि जब से पालिका परिषद में क्रमोन्नत हुई है और कांग्रेस बोर्ड का कार्यकाल समाप्त हुआ है, तब से अधिकारी भाजपा नेताओं के 'एजेंट' की तरह काम कर रहे हैं। राईवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक को भेजी गई है, लेकिन कार्रवाई न होना यह संकेत देता है कि इस बंदरबांट का हिस्सा ऊपर तक जा रहा है।

2028 में सत्ता परिवर्तन पर होगी रिकवरी: कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि वर्तमान विधायक और प्रशासन का यह अनैतिक गठजोड़ जनता की गाढ़ी कमाई को लूट रहा है। उन्होंने कहा कि 2028 में सत्ता परिवर्तन होने पर इन सभी घोटालों की जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों से इस राशि की रिकवरी सुनिश्चित की जाएगी।

बेदी उठाई एवं महोत्सव का समापन

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में कोटा-चित्तौड़ राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर स्थित धार्मिक मंदिर भगवान बिहारी नाथ देवनारायण की बनी में बानोड़ बालाजी के आचार्यत्व एवं शेषावतार कल्लाजी महाराज के पावन सान्निध्य में 'श्री रामकृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ पांच दिवसीय पंच कुंड महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में पंचकुंडीय विराट रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई थी। महोत्सव के पांचवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। शनिवार को बेदी उठाई गई है, महोत्सव का समापन हो गया है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन-कीर्तन भी आयोजित किए गए थे। इस धार्मिक अनुष्ठान में भगवान सुथार, दिनेश सिंह शक्तावत, मोडू माली, शंभू धाकड़, नंद गुर्जर, कालू सुथार, एवं बानोड़ा से कमलेश सुथार व शंभू सुथार, सहित कई ग्रामवासी मौजूद थे।

पोटला में सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उपजे विवाद में पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| गंगापुर

सोशल मीडिया पर मवेशी काटने की पोस्ट डालने के बाद शुक्रवार को पोटला में बाजार व दुकानें बंद कर ग्रामीण उतरे सड़कों पर प्रदर्शन किया। पोटला में हिंदू संगठनों व ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन साम तक जारी रहा। शाम को बागरिया परिवार के निवास स्थान पर पत्थर बाजी करने के बाद पुलिस ने लाठिया बरसाना शुरू किया। और मौके से भीड़ को खदेड़ा। पुलिस ने शांति भंग के आरोप में राजकुमार जाट निवासी मंडपिया, भारत गुर्जर, सोनू गर्जर निवासी पोटला, पवन कुमार जाट निवासी मुंगाना, पुष्पेंद्र छिपा, विष्णु तेली, मुकेश जाट, सुरेश कुमार पारीक निवासी पोटला व राजू जाट निवासी मंडपिया को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को आज गंगापुर उपखंड अधिकारी के समक्ष पेश किया गया।

12 बोर दो नाल बन्दुक के साथ हथियार उपलब्ध करवाने वाले सहित दो आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा क्षेत्र में अवैध हथियारों की आवाज़ सिर्फ जंगल तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसका असर शहर की गलियों तक महसूस किया जा रहा था। कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस की सतर्क कार्रवाई ने उस खामोश खतरे को बेनकाब कर दिया, जो लंबे समय से कानून की नजरों से बचकर घूम रहा था। 12 बोर दो नाल बंदूक के साथ एक आरोपी और उसे हथियार उपलब्ध कराने वाले दूसरे व्यक्ति की गिरफ्तारी ने अवैध हथियार सप्लाई चेन पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पुलिस जांच की कड़ी एक पुराने मामले से जुड़कर आगे बढ़ी। पहले पकड़े गए आरोपी से हुई पूछताछ में सामने आया कि अवैध हथियारों का लेन-देन कोई तात्कालिक घटना नहीं, बल्कि महीनों से चल रही सुनियोजित गतिविधि थी। यही जानकारी पुलिस के लिए अहम सुराग बनी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में सक्रियता बढ़ाई और इन्द्रा कॉलोनी से लेकर आसपास के क्षेत्रों में गहन पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को यह पता चला कि आरोपी शिकार खेलने के बहाने जंगल की ओर गया है। यह संकेत मामूली नहीं था, क्योंकि ग्रामीण अंचलों में अवैध हथियार अक्सर इसी आड़ में इस्तेमाल किए जाते हैं। पुलिस टीम ने समय गंवाए बिना भैरूखेड़ा के जंगलों की ओर रुख किया। वहां आरोपी को अवैध 12 बोर दो नाल बंदूक के साथ पकड़ लिया गया। जंगल की शांति को भंग करने वाला यह हथियार, कानून की पकड़ में आते ही खामोश हो गया। इस कार्रवाई ने यह भी साफ कर दिया कि अवैध हथियार केवल अपराध के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। एक हथियार जब गलत हाथों में जाता है, तो वह सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, पूरे क्षेत्र की शांति को प्रभावित करता है। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और आगे की कड़ियां जोड़ते हुए हथियार उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति तक भी पहुंच गई।

सल्यावडी रोड पर 11 केवी लाइन टूटने से मासूम की मौत, गांव में शोक

स्मार्ट हलचल

मांडल। मांडल थाने पर सूचना मिली कि सल्यावडी रोड के पास जंगल क्षेत्र में 11 केवी विद्युत लाइन का तार टूट गया, जिसकी चपेट में आकर बकरी चरा रहा एक बालक करंट से झुलस गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही शुरू की। मृतक की पहचान राहुल पुत्र चुन्नीलाल भील (उम्र 10 वर्ष), निवासी सल्यावडी के रूप में हुई। बालक के शव को गंगापुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां मृतक के दादा एवं प्रार्थी श्री रतनलाल पुत्र जूवारू भील (उम्र 60 वर्ष), निवासी सल्यावडी की रिपोर्ट पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। घटना के बाद मौके पर शांति व्यव-स्था बनी रही । पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है। इस हादसे से गांव में शोक की लहर है।

राजस्थान नर्सेज यूनियन भीलवाड़ा ने उठाई नर्सेज निदेशालय बनाने की मांग

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान नर्सेज यूनियन महात्मा गाँधी चिकित्सालय भीलवाड़ा के जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व मे माण्डलगढ़ मे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा को नर्सेज के पांच सूत्रीय मांग पत्र देकर चिकित्सा विभाग मे 15000 की आगामी भर्ती करने की घोषणा पर आभार व्यक्त किया। ग्रामीण जिलाध्यक्ष अमित व्यास ने बताया की पांच सूत्रीय मांग मे नर्सिंग निदेशालय की स्थापना, आगामी भर्ती 10.20.30 बोनस अंक से करना, नर्सेज को दवा लिखने का अधिकार देना, नर्सिंग केडर की समय पर पदोनती करना के साथ ही जिले के सबसे बड़े चिकित्सालय मे नर्सेज के 400 पदों पर नर्सेज की भर्ती जल्द से जल्द करने की मांग की गयी।

इस अवसर पर यूनियन के जिला उपाध्यक्ष करण सिंह सिसोदिया, दिनेश खटीक, कार्यकारि अध्यक्ष ललित जीनगर, कोषाध्यक्ष अंकित काबरा, प्रवक्ता गिरिराज लड्ढा, उपाध्यक्ष कुलदीप आर्य, सीनियर नर्सिंग ऑफीसर जयप्रकाश एवं विनोद सोनी की उपस्थिति मे दिया गया।

एसएमपीएस द्वारा आयोजित होगी बुद्धिमत्ता और ज्ञान आधारित प्रतियोगिता कौन बनेगा एसएमपीएस मास्टरमाइंड

प्री-राउंड 22 को तथा फाइनल राउंड 23 दिसंबर को होगें कई चरण, विजेता प्रतिभागियों को करेगें पुरस्कृत

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित श्री महेश पब्लिक स्कूल प्राइमरी विंग द्वारा दिनांक 22 व 23 दिसंबर 2025 को बुद्धिमत्ता और ज्ञान आधारित प्रतियोगिता कौन बनेगा एसएमपीएस मास्टरमाइंड आयोजित की जा रही है। जिसका प्री-राउंड 22 दिसंबर, 2025 तथा फाइनल राउंड 23 दिसंबर, 2025 को रखा जाएगा। श्री महेश सेवा समिति के कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सृजनात्मक सोच, तर्कशक्ति और टीम भावना का विकास करना है। इस प्रतियोगिता में छोटे बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ चुनौतीपूर्ण सवालों और गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्री -राउंड में सोचो और सही विकल्प चुनो, ध्वनि/आवाज पहचानो प्रतियोगिता, वीडियो आधारित प्रश्न, इमोजी से शब्द या संदेश पहचानो तथा मैजिकल मिस्ट्री बॉक्स जेसे कई चरण होगें। तथा 23/12/25 को होने वाले फाइनल राउंड में प्रतियोगिता के कई चरण होगें जैसे बौद्धिक बहुविकल्पीय प्रश्न, पहेलियों का महासंग्राम, ऑडियो आधारित रोमांचक प्रश्न, स्क्रीन देखकर समझो और उत्तर दो, भाग्य पासा/किस्मत का पासा आदि। विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव ने इस प्रतियोगिता को बच्चों के समग्र विकास के लिए एक उत्तम पहल बताया है। उनका मत है कि ऐसी प्रतियोगिताएँ बच्चों को ज्ञान के प्रति उत्साहित, आत्मविश्वासी, और सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। इस कार्यक्रम से बच्चों के अंदर समस्या-समाधान क्षमता, स्मरण शक्ति और टीम वर्क जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएँ विकसित होंगी। श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नराणीवाल ने बताया कि प्रतियोगिताएँ बच्चों में स्वास्थ्यवर्धक स्पर्धात्मक भावना उत्पन्न करती हैं, जो उन्हें आगे के शैक्षणिक जीवन में भी मदद करेगी। उन्होंने अभिभावकों को भी बच्चों को सहयोग और उत्साह देने के लिए धन्यवाद दिया। समिति के सचिव राजेंद्र कुमार कचौलिया ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को एक साझा मंच मिलेगा, जहाँ सीखने की प्रक्रिया को रोचक और आनंदमय बनाया जा सकेगा। निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने बताया कि कौन बनेगा एसएमपीएस मास्टरमाइंड' प्रतियोगिता न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी, बल्कि बच्चों और अभिभावकों के लिए एक यादगार अनुभव भी बनेगी। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा तथा सभी पंजीकृत भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से रेलकर्मी की मृत्यु

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

कस्बा सूरौठ निवासी रेल कर्मचारी दरब सिंह योगी (31) की दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर इंदरगढ़ एवं लाखेरी रेल स्टेशन के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। ड्यूटी के दौरान यह हादसा घटित हुआ। रेल कर्मी की मृत्यु से सूरौठ में मातम छा गया। शनिवार को गमगीन माहौल में कस्बे में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। शव यात्रा में सर्व समाज के हजारों लोगों ने भाग लिया।

कस्बा सूरौठ में जटवाड़ा रोड के पास निवास करने वाले अमरनाथ योगी का पुत्र दरब सिंह योगी रेल विभाग में सहायक सिग्नल कर्मचारी पद पर कार्यरत था तथा सवाई माधोपुर क्षेत्र में उसकी ड्यूटी थी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को रेल कर्मी दरब सिंह योगी दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर इंदरगढ़ एवं लाखेरी रेलवे स्टेशन के बीच में स्टाफ लाइन पर पेंटिंग का कार्य कर रहा था। ड्यूटी के दौरान अप लाइन से डाउन लाइन की तरफ जाते समय रेल कर्मी दरब सिंह इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे मौके पर ही दरब सिंह की मृत्यु हो गई। ट्रेन चालक ने कोटा कट्रोल रूम को हादसे की जानकारी दी। रेलवे की टीम मौके पर पहुंची तथा सवाईमाधोपुर में शव का पोस्टमार्टम कराया। रेल कर्मी दरब सिंह योगी की मौत की खबर जैसे ही यहां पहुंची कस्बे एवं आसपास के गांवों में मातम छा गया। शनिवार को रेलवे की टीम एंबुलेंस में शव को लेकर घर पहुंची तो घर में रूदन मच गया। 31 वर्षीय रेल कर्मी दरब सिंह दो लड़का व तीन लड़कियों का पिता था। दरब सिंह तीन भाइयों में सबसे बड़ा था तथा उसके चार बहन भी है। दरब सिंह की 2016 में रेलवे में नियुक्ति हुई थी। अंतिम संस्कार में सर्व समाज के हजारों लोगों ने भाग लिया।

कानोता कैंप में एनएसएस का विशेष शिविर

प्रकृति, जैव-विविधता और पक्षी संरक्षण पर जागरूकता सत्र रविवार को

स्मार्ट हलचल| जयपुर

युवा विद्यार्थियों में प्रकृति, जैव-विविधता और पक्षियों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर के अंतर्गत 21 दिसंबर को कानोता कैंप में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ग्रीन पीपल सोसाइटी तथा आईआईएस डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा।

इस सत्र में विद्यार्थियों को पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों, उनके संरक्षण के महत्व तथा कानोता बांध क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं और समृद्ध जैव-विविधता की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में पर्यावरण संरक्षण, पक्षियों की सुरक्षा और प्राकृतिक संतुलन के प्रति चेतना विकसित करना है, ताकि वे भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9.30 बजे प्रतिभागियों के कानोता कैंप आगमन से होगी। इसके पश्चात 10 से 11 बजे तक प्रख्यात प्रकृतिविद् मनोज कुलश्रेष्ठ द्वारा पक्षियों पर आधारित दृश्य प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिसमें स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। 11 से 12 बजे तक विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित कर कानोता कैंप का मैदानी भ्रमण कराया जाएगा, जिसका मार्गदर्शन मनोज कुलश्रेष्ठ, दिनकर एवं गोविंद सिंह द्वारा किया जाएगा। दोपहर 12 से 1 बजे तक दिनकर द्वारा थार मरुस्थल पर आधारित 35 मिनट की फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार यह सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और अनुभवात्मक होगा, जिससे उनमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी और वे पर्यावरण एवं जैव-विविधता संरक्षण की दिशा में सार्थक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होंगे।

संग्राम सिंह मेमोरियल हॉकी कप: देशभर की 12 टीमें कोटा में दिखाएंगी दमखम

त्रिदिवसीय 29वां संग्राम सिंह मेमोरियल हॉकी कप 2025 का कोटा में आयोजन

अंडर-14 हॉकी खिलाड़ियों के लिए कोटा में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता

स्मार्ट हलचल|कोटा

ग्रासरूट हॉकी के विकास को समर्पित 29वां संग्राम सिंह मेमोरियल हॉकी कप-2025 का आयोजन 22 से 24 दिसंबर 2025 तक बधित बाल विकास केंद्र, झालावाड़ रोड, कोटा में किया जाएगा। आयोजन त्रिपाठी आद्विक फाउंडेशन, एवं मेजर ध्यानचंद अकादमी, कोटा का सहयोग होगा। फाउण्डेशन के ट्रस्टी रिषभ त्रिपाठी एवं श्रृद्धा त्रिपाठी ने बताया कि अंडर-14 आयु वर्ग के बालकों के लिए आयोजित इस प्रतिष्ठित सात-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से 12 टीमें भाग लेंगी, जिनमें लगभग 120 युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। टूर्नामेंट के चेयरमैन वी.के. जेटली, अध्यक्ष बलवीर सिंह सिसोदिया, संरक्षक राकेश जैन तथा सचिव बी.एस. खींची हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ का शुभारंभ में विधायक संदीप शर्मा,एसडीएम सीटी अनिल सिंघल,डा विजय सरदाना होंगे वहीं फाइनल में खिलाडियों का हौसला बडाने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं अशोक कुमार ध्यानचंद कोटा पहुंचेगे।

टूर्नामेंट के चेयरमैन वी.के. जेटली ने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की नामी हॉकी अकादमियां शामिल होंगी। टूर्नामेंट को चार समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप-ए में पांडिला हॉकी अकादमी, भीलवाड़ा हॉकी अकादमी एवं सरस्वती हॉकी (यमुनानगर हरियाणा) शामिल हैं। ग्रुप-बी में एलवीएम हॉकी अकादमी झांसी, कोटा हॉकी अकादमी तथा हॉलीवुड स्पोर्ट्स अकादमी गुरदासपुर खेलेंगी। ग्रुप-सी में गुना हॉकी अकादमी, प्रकाश हॉकी क्लब इंदौर एवं खेड़ा हॉकी अकादमी सोनीपत शामिल हैं, जबकि ग्रुप-डी में राजसमंद हॉकी अकादमी, सोलन हॉकी अकादमी तथा सनसिटी हॉकी अकादमी वाराणसी भाग लेंगी।

टूर्नामेंट के चेयरमैन वी.के. जेटली ने बताया कि यह आयोजन विगत 29 वर्षो से प्रारंभ है जो आयोजन समिति के अनुसार यह प्रतियोगिता पूर्व हॉकी खिलाड़ी संग्राम सिंह की स्मृति में आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देना और उभरती प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

ड्रामेबाजी की विकास रथ यात्रा के बजाय खाद रथ यात्रा निकाले भाजपा: पूर्व मंत्री जाड़ावत

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने चित्तौड़गढ़ जिले में भाजपा की विकास रथ यात्रा निकालने को लेकर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा जनप्रतिनिधियों को विकास रथ यात्रा नहीं खाद रथ यात्रा निकालनी चाहिए जिसकी वर्तमान में किसानों को सख्त आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की यह रथ यात्रा ड्रामेबाजी, सुपर फ्लॉप साबित होगी भाजपा जनप्रतिनिधि विकास नहीं हवा-हवाई व खोखली बयानबाजी करते है, आमजनता सावधान रहे तथा फिर से ये लोग स्थानीय चुनावों को देखते झूठे वायदों की जुमले चलाएंगे लेकिन जनता उनके बहकावे में नहीं आएगी केंद्र में एवं राज्य में भाजपा अपनी अपनी सरकार की विफलताओं पर से तथा लोकसभा के अपने चुनावी वायदे को पूरा ना करने की अपनी इस नाकामी पर से पर्दा डालने के लिए जगह जगह शुरू की गयी अपनी विकास यात्राओं की ड्रामेबाजी कर रही है इनके शासनकाल में यहाँ कोई विकास नही हुआ है भाजपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों का विकास करती है, कांग्रेस गरीबों, दलितों पिछड़ों व अल्पसंख्यकों के साथ-साथ मजदूरों, किसानों, कर्मचारियों, छोटे व मध्यम व्यापारियों एवं अन्य क्षेत्रों में लगे मेहनतकश लोगों का विकास करती है। भाजपा सरकार पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में स्वीकृत कार्य को भी अभी पूरा नहीं कर पा रही है, कोई एक बड़ी योजना की सौगात इन्होंने नहीं दी है यह जनता के साथ छलावा कर रहे है, फिर केवल खबरों में बने रहने के लिए रथ यात्रा लेकर निकल पड़े है, आज किसान सुबह 4 बजे से खाद के लिए लाइन में खड़ा हुआ है महिलाएं परेशान है, कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है फिर कैसी रथ यात्रा निकाल रहे है भाजपा जनप्रतिनिधियों को चित्तौड़गढ़ में विकास कार्यों के तहत कोई बड़ी योजना को धरातल पर लाकर आमजन के बीच जाना चाहिए महज दिखावटी रथ यात्रा निकालने से जनता का कोई भला नहीं होगा।

राजस्थान इंटक के संस्थापक अध्यक्ष एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित बृजमोहन लाल शर्मा की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि ब्यावर में होंगी श्रमिक महापंचायत

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक राजस्थान शाखा का प्रादेशिक सम्मेलन 3 व 4 जनवरी 2026 को ब्यावर में आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी पत्रकार वार्ता में इंटक के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली एवं प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि 3 जनवरी को प्रतिनिधियों का पंजीकरण होगा, जबकि 4 जनवरी को प्रादेशिक सम्मेलन के साथ चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। और श्रमिक महापंचायत होंगी इंटक कार्यकारिणी का कार्यकाल चार वर्ष का होता है। सम्मेलन में प्रदेश व देश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भाग लेंगे,जहां संगठनात्मक मजबूती,श्रमिक हितों और सामाजिक मुद्दों पर गहन मंथन किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता के दौरान अरावली पर्वतमाला संरक्षण के उद्देश्य से तैयार किए गए पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री नारायण गुर्जर, ब्यावर जिलाध्यक्ष बरकत अली कुरैशी, अंबुजा इंटक महामंत्री रंजीत सिंह तथा महामंत्री सलीम काठात, राजेश शर्मा,भुवनेश शर्मा प्रमोद जैन उपस्थित रहे। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली ने कहा,

'राजस्थान इंटक के संस्थापक अध्यक्ष एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित बृजमोहन लाल शर्मा की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि ब्यावर में श्रमिक महापंचायत आयोजित करने का निर्णय प्रदेश कार्यसमिति ने लिया है। यह आयोजन पंडित शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगा। इस महापंचायत में प्रदेशभर से हजारों श्रमिक भाग लेंगे। ' प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा, 'पिछले चार वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लाए गए नए लेबर कोड श्रमिक विरोधी हैं। इस अधिवेशन में इन प्रस्तावों पर गंभीर चर्चा कर श्रमिक हित में ठोस रणनीति बनाई जाएगी। 'पत्रकार वार्ता में अरावली पर्वत श्रृंखला को बचाने का संकल्प भी दोहराया गया और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन का भरोसा दिलाया गया।

इस प्रादेशिक सम्मेलन एवं श्रमिक महापंचायत में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा पूर्व श्रम मंत्री एवं प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली के शामिल होंगे सम्मेलन को लेकर इंटक नेतृत्व ने विश्वास जताया कि यह आयोजन श्रमिक अधिकारों की मजबूती, पर्यावरण संरक्षण और संगठनात्मक विस्तार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पावटा में चोरों का आंतक, चार दुकानों को बनाया निशाना

स्मार्ट हलचल | पावटा

सर्दी की आड़ में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात पावटा कस्बे में बेखौफ चोरों ने पुलिस गश्त को खुली चुनौती देते हुए एक साथ चार दुकानों के निशाना बनाते हुए दो लाख रुपये की नकदी व सामान लेकर फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके के व्यापारियों में दहशत और आक्रोश का माहौल है। शनिवार सुबह जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे तब दुकान का सामान फैला देखा तो उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो गल्ले में रखी नकदी गायब मिली। दुकान केदारमल गोविन्दराम के मालिक ने बताया कि कल अमावस्या का अवकाश होने पर बाजार बंद था, शाम को ही नये नोटो के बंडल लाकर दुकान पर लाकर रखे थे। सुबह जब दुकान खोला तो सामान बिखरा हुआ मिला ओर नये नोट व गल्ले में रखी नकदी भी गायब मिले। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि चोर छत पर चढ़कर जीने से नीचे आए ओर घटना को अंजाम दिया। वहीं पास में ही केशव अनूप कुमार की कपड़े की दुकान को भी निशाना बनाते हुए गल्ले से करीब 10 हजार की नकदी को चोर चुराकर ले गए। वहीं भारती ज्वैलर्स व प्रमोद वस्त्र को भी चोरो ने निशाना बनाया। सुबह पुलिस को घटना की सूचना दी गई तो प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम मय पुलिस जाप्ता के साथ मौके पर पहुंचे ओर घटना की जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि कस्बे में ऐसी घटना की पुनरावृति नहीं इसके लिए पुलिस गश्त बढ़ाई जायेगी। साथ ही आमजन से भी अपिल की है कि संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करे।

नगर फोर्ट में बाजार बंद, तहसील बचाने की मांग: विशाल आम सभा कर संघर्ष समिति का पुनर्गठन

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। नगर फोर्ट को पंचायत समिति का दर्जा दिलाने और तहसील कार्यालय को यथावत रखने की मांग को लेकर चल रहा जन आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शनिवार को नगर फोर्ट में संपूर्ण बाजार बंद रखा गया। आंदोलन को गति देने के लिए नगर फोर्ट स्कूल चौराहे पर तहसील क्षेत्रवासियों की एक विशाल आम सभा आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, व्यापारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। आम सभा में आंदोलन को और सशक्त बनाने के लिए संघर्ष समिति का पुनर्गठन किया गया।सभा में सर्वसम्मति से अश्विनी सुवालका को संघर्ष समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अनिल सोनी, मोहन सिंह देवपुरा और रामेश्वर चांगल को उपाध्यक्ष बनाया गया। इंद्रजीत सिंह, हर्षित गुर्जर, रोहित प्रजापत, हनुमान साहू, सुनील सोयल, सुरेंद्र भंडारी, तौफीक अहमद, निजाम भाई और मुकेश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ नागरिकों को भी समिति में शामिल किया गया।आम सभा के बाद ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय तक जुलूस निकाला। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि 24 घंटे के भीतर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।नगर फोर्ट की जनता ने एक स्वर में कहा कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

शहरों की फिटनेस अब गांव की देहरी पर, कालेड़ा कंवरजी में प्रकृति की गोद में खुला सार्वजनिक ओपन जिम

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। शहरों की तर्ज पर अब गांवों में भी स्वास्थ्य की अलख जगने लगी है। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालेड़ा कंवरजी में निर्मित सार्वजनिक ओपन जिम ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। शुक्रवार को निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही शनिवार से यह ओपन जिम आमजन के लिए खोल दिया गया, जिससे अब महिला-पुरुषों सहित गांव के युवक-युवतियों को अपने ही गांव में निःशुल्क फिटनेस की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

ग्राम पंचायत प्रशासक अर्पित जोशी ने बताया कि अब तक ग्रामीण युवाओं को व्यायाम के लिए आसपास के शहरों की ओर रुख करना पड़ता था। लंबे समय से चली आ रही इस मांग को देखते हुए अजमेर जिला परिषद की आम सभा में ओपन जिम निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जिसे स्वीकृति मिलने के बाद साकार रूप दिया गया।

उन्होंने बताया कि अजमेर जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा द्वारा राज्य वित्त आयोग मद से 5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। निर्माण पूर्ण होने के पश्चात ठेकेदार द्वारा ओपन जिम ग्राम पंचायत को सुपुर्द किया गया। इसके साथ ही छोटे बच्चों के खेल-मनोरंजन के लिए झूलों की भी व्यवस्था की गई है, जिससे यह स्थान परिवारों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

यह ओपन जिम बनास नदी व तालाब किनारे स्थित छप्पन बाबा के प्राचीन मंदिर के समीप विकसित किया गया है। तालाब की पाल पर बनी सड़क से जिम तक पहुंच आसान है, जहां दोनों ओर जलराशि और हरियाली प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लगाती है।

बीसलपुर बांध के जल भराव से घिरा यह क्षेत्र रमणीय वातावरण से परिपूर्ण है। यहां व्यायाम करते समय ग्रामीणों को शुद्ध हवा, जल में विचरण करते जलीय पक्षियों के दर्शन और प्रकृति की गोद में मानसिक शांति का अनुभव होगा। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी सौगात के लिए जिला परिषद व ग्राम पंचायत प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकल कर धुवांखुर्द के लाल ने किया नाम रोशन

पश्चिम बंगाल में आयोजित सीनियर नेशनल हैंडबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम द्वारा ब्रॉन्ज मेडल जीता

स्मार्ट हलचल।दूनी

देवली उपखण्ड के धुँवाखुर्द गांव के एक युवक ने पूरे प्रदेश के लिए गर्व व कीर्तिमान रचा हैं।टोंक जिले के एक छोटे से गांव धुवां खुर्द से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले रामवतार योगी जो एक गरीब परिवार से है।इस खिलाड़ी ने पूरे टोंक जिले ही नहीं बाकी पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।यह उपलब्धि दर्शाती हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि संकल्प मेहनत और जुनून हो तो कठिन परिस्थितियों में भी कोई भी मंजिल दूर नहीं।इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए राजस्थान टीम ने उत्तर प्रदेश टीम को हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया था।राम अवतार योगी के कोच प्रियदीप सिंह ने बताया कि योगी में जबरदस्त खेल प्रतिभा को भाँप कर ही उन्होंने इस खेल हेतु प्रेरित किया।

आकर्षक श्रृंगार और भजन कीर्तन के साथ मनाया जायेगा पौषबड़ा महोत्सव

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। स्थानीय आशापुरा माता धाम में पौष माह के देवप्रिय उत्सव पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन कल आगामी 21 दिसम्बर, रविवार को दोपहर 2:30 बजे से सांध्य आरती तक कृष्णचंद जी लढ़ा व नारायण जी सोनी के सौजन्य से धूम धाम के साथ मनाया जाएगा।

इस दौरान माँ आशापुरा के मनमोहक श्रृंगार के साथ-साथ मंदिर परिसर में सुमधुर भजन संध्या आयोजित की जाएगी, जिसमें सैंकड़ों भक्तगणों की उपस्थिति रहने वाली है। इस महोत्सव के निमित्त मंदिर परिसर को आकर्षक और नयनाभिराम रूप से सजाया गया है।

इस महोत्सव में विख्यात और हम सभी के चिरपरिचित भजन गायक भागचन्द सोलीवाल द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें उनके साथियों द्वारा सुमधुर भजनों की एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

मंदिर समिति सभी भक्तगणों से अनुरोध करती है कि माँ आशापुरा ओर पंचमुखी बालाजी महाराज को हलवा ओर बड़े का भोग लगाने अधिकाधिक संख्या में आप सपरिवार पधारें और इस उत्सव का आनन्द लेकर माँ आशापुरा व पंचमुखी बालाजी महाराज का आशीर्वाद लेकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

शिक्षक भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़े का खुलासा, 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने के मामले में जिला स्पेशल टीम और सिविल लाइन थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी करीब 18 महीने से फरार चल रहा था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

एडिशनल एसपी गणेशाराम चौधरी ने बताया कि 30 अप्रैल 2023 को आयोजित वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी के स्थान पर दूसरे व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने की शिकायत सामने आई थी। जांच में स्पष्ट हुआ कि यह कोई साधारण गलती नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से किया गया फर्जीवाड़ा था, जिसमें कई लोग शामिल थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर गहन जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य, परीक्षा केंद्र से जुड़े दस्तावेज, फोटो मिलान और गवाहों के बयान जुटाए गए। इसके आधार पर पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक आरोपी लंबे समय से फरार था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग जिलों में दबिश दी गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के बाद 19 दिसंबर को पुलिस ने फरार आरोपी को दबोच लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 10 लाख रुपए लेकर किसी अन्य के स्थान पर परीक्षा दी थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हुक्माराम पुत्र पन्नाराम जाट (31) निवासी जालौर के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुंगरी, जिला जालौर में व्याख्याता के पद पर कार्यरत था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने किसी अन्य अभ्यर्थी की जगह बैठकर परीक्षा दी थी, जिससे चयन प्रक्रिया प्रभावित हुई।

मनरेगा योजना का नाम बदलने का विरोध, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा योजना को निरस्त कर बिल पास किया जिसके विरोध स्वरूप भीलवाड़ा में कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बिल को निरस्त करते हुए योजना का नाम पहले वाला रखने की मांग की । गौरतलब है की मनरेगा योजना का नाम अब 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' होगा जिसका कांग्रेस खेमे द्वारा द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है । शनिवार को भीलवाड़ा में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

सुरेन्द्र सिंह सोलंकी बने कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम मीणा ने शशि कुमारी राजकीय चिकित्सालय, सावर में पदस्थ वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सुरेन्द्र सिंह सोलंकी को कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत कर नर्सिंग आंदोलन को नई धार दे दी है।

इस मनोनयन से प्रदेशभर के नर्सिंग कार्मिकों में जोश और उत्साह की लहर दौड़ गई है। सोलंकी को जमीनी स्तर का मजबूत नेता माना जाता है, जो नर्सिंग संवर्ग की आवाज को सड़क से सदन तक बुलंद करने की क्षमता रखते हैं।

मनोनयन के बाद सोलंकी ने साफ शब्दों में कहा कि नर्सिंग कार्मिकों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा। लंबित मांगों को लेकर अब संघर्ष तेज होगा और संगठन को हर स्तर पर मजबूत किया जाएगा। नर्सिंग समुदाय ने इस फैसले को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में मील का पत्थर बताया है और उम्मीद जताई है कि सोलंकी के नेतृत्व में नर्सेज के हक़ की लड़ाई और धारदार होगी।

साहू सेना व गीतांजलि हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान मे निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। 20 दिसंबर 2025 शनिवार को विजयनगर रोड स्थित साहू वाटिका ब्यावर में साहू सेना व गीतांजलि हॉस्पिटल, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर व निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन।

शिविर का उद्घाटन ब्यावर मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय गहलोत ने फीता काटकर व दीप प्रज्वलित करके किया। सीएमएचओ ने आभा आईडी कार्ड के फायदे बताएं और शिविर में आए हुए लाभार्थियों को आभा आईडी कार्ड की विशेषताएं बताई। सीएमएचओ डॉ संजय गहलोत ने समाज को बताया की किस प्रकार सावधानी रखकर अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। शिविर में समाजसेवी भामाशाह इंद्रसिंह बागावास भी उपस्थित हुए और उन्होंने साहू सेना द्वारा हो रहे सेवा कार्यों की सराहना की ओर चिकित्सा के क्षेत्र में साहू सेना के कार्यों को देखते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सेवा कार्य करने की पहल की। शिविर में साहू सेना की ओर से निःशुल्क आभा आइडी कार्ड बनाए गए। साहू सेना आईटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष योगेश गुलानिया ने शिविर में आभा आइडी कार्ड बनाए। शिविर में गीतांजलि हॉस्पिटल जयपुर के विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दी गई। शिविर में ब्लड शुगर (डायबिटीज) जांच व ब्लड प्रेशर की जांच निःशुल्क की गई। शिविर में जयपुर गीतांजलि हॉस्पिटल के मशहूर कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संदीप भास्कर, चंडीगढ़ से गोल्ड मेडलिस्ट मस्तिष्क एवं तंत्रिका रोग (न्यूरो) विशेषज्ञ डॉक्टर रिया शर्मा, गला, नाक, कान के विशेषज्ञ डॉक्टर अनिल पंवार ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 435 रोगियों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में 300 से अधिक लोगों ने आभा आइडी कार्ड बनवाया। शिविर में गीतांजलि हॉस्पिटल की टीम से जीएम मार्केटिंग विवेक कुमार पांडे, मार्केटिंग मैनेजर दीना गोस्वामी, सेल्स मैनेजर योगेश शर्मा ने अपनी सेवाएं दीं। निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर के आयोजन में साहू सेना के वरिष्ठ चिकित्सा सलाहकार माणक आसरवा, वरिष्ठ चिकित्सा सलाहकार रामस्वरूप धावा, वरिष्ठ चिकित्सा सलाहकार चिमन आसरवा, साहू समाज ब्यावर अध्यक्ष बुधाराम जादम, श्री तेली पंच मारवाडा अध्यक्ष श्याम जादम, श्री तेली जाति सभा संस्था अध्यक्ष जगदीश महावर, साहू समाज नवयुवक मंडल अध्यक्ष दिलीप महावर, महामंत्री जयकिशन झालीवाल, मंडल कोषाध्यक्ष राजेश अडेरिया, साहू सेना (महिला प्रकोष्ठ) अध्यक्षा ललिता जादम, महिला प्रकोष्ठ महामंत्री गायत्री जादम, महिला प्रकोष्ठ जिला सचिव सुनीता आसरवा, साहू सेना (प्रशासनिक प्रकोष्ठ) जिला अध्यक्ष अशोक जादम, (राजनीतिक प्रकोष्ठ) जिला अध्यक्ष राकेश मावर, साहू सेना संरक्षक पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल अजमेरा, पूर्व महामंत्री पिंटू साहू, पूर्व कोषाध्यक्ष कैलाश शिशोदिया, रामचंद्र महावर, सुगनचंद गुलानियां, मिठूलाल शिशोदिया, रामस्वरूप आसरवा, संस्थापक मुकेश मेहरानिया, सलाहकार पप्पू धावा, जयकिशन झालीवाल, साहू सेना (चिकित्सा प्रकोष्ठ) जिला अध्यक्ष निलेश आसरवा, जिला महामंत्री किशन रेगा, जिला महामंत्री दीपक आसरवा, (रोजगार प्रकोष्ठ) जिला अध्यक्ष विकास गुलानिया, साहू सेना अध्यक्ष विजय नारायण साहू, उपाध्यक्ष दामोदर मेहरानिया, महामंत्री कमल आसरवा, महामंत्री अनिल साहू (अन्ना भाई), महामंत्री तारेश साहू, सचिव तखूतराज जादम (होटल राजमहल), जॉन्टी आसरवा मौजूद थे।

श्री श्याम सखा सेवा समिति महुवा केतत्वाधान में 11वां श्री श्याम महोत्सव, विशाल मंगल कलश यात्रा एवं निशान शोभा यात्रा निकली

स्मार्ट हलचल

महुवा। महुवा उपखंड मुख्यालय पर जन सेवा में कार्यरत श्री श्याम सखा सेवा समिति महुवा रजिस्टर्ड के तत्वाधान में शनिवार को 11वां श्री श्याम महोत्सव कार्यक्रम के तहत प्रातः10 बजे अग्रवाल सेवा सदन महुवा से विशाल मंगल कलश यात्रा एवं निशान शोभायात्रा प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए मंडावर रोड स्थित अनाज मंडी पहुंची इस दौरान यात्रा का महुवा के अनेक सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह जलपान कराकर भव्य स्वागत सत्कार किया गया वहीवही शाम को 5:00 बजे से प्रभु इच्छा तक एक शाम खाटू वाले के नाम श्याम बाबा का जागरण नवीन अनाज मंडी परिसर मंडावर रोड महुवा में आयोजित किया गया।

श्री श्याम सखा सेवा समिति महुवा के अध्यक्ष नेमीचंद गुप्ता खेरली वालों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम सखा सेवा समिति महुवा के तत्वाधान में श्री श्याम महोत्सव कार्यक्रम के तहत शनिवार प्रातः 10:00 बजे अग्रवाल सेवा सदन महुवा से विशाल मंगल कलश यात्रा एवं निशान शोभा यात्रा विधायक राजेंद्र मीणा के सानिध्य में मुख्य बाजार होते हुए थाने के सामने होते हुए मंडावर रोड स्थित अनाज मंडी पहुंची इस दौरान यात्रा का महुआ के अनेक सामाजिक संगठनों ने जलपान कराकर भविष्य स्वागत सत्कार किया गया इस दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए वही श्याम प्रेमियों ने नाचते गाते हुए भगवान कृष्ण की भव्य झांकियां के साथ डीजे की धुन पर नृत्य कर श्याम भक्तों का मन मोह लिया। वही शनिवार शाम को 5:00 बजे से एक शाम खाटू वाले के नाम श्री श्याम भगवान का जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध गायक कलाकार आयुषी राज दिल्ली, पिंकी सिंधी जयपुर, प्रताप थामा भरतपुर, सनम राव एंकर कोटा, दरबार विनोद सैनी आभानेरी, म्यूजिशियन आकाश इंटरप्राइजेज म्यूजिक ग्रुप जयपुर, साउंड कुंदन साउंड जयपुर द्वारा श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का भजनों के माध्यम से श्रोताओं का मन मोहने के साथ नृत्य करने के लिए मजबूर किया गया छप्पन भोग अखंड ज्योति के साथ खाटू वाले श्याम का विशाल जागरण छप्पन भोग के साथ किया गया इस दौरान आलोकित श्रृंगार इत्रव पुष्प वर्षा 56 भोग झांकी अखंड ज्योति कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर महुवा विधायक राजेंद्र मीणा, संरक्षक सत्येंद्र कुमार जिंदल, अध्यक्ष नेमीचंद गुप्ता, महामंत्री सुदीप गोयनका, कोषाध्यक्ष सतीश कानूनगो, मीडिया प्रभारी गो पुत्र अवधेश अवस्थी, नायब तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता तालचीडी वाले, राजेश सलेमपुर वाले, योगेश बजाज बालाहेडी वाले, राजकुमार गोयल, कृपांशु अजमेरा, नीरज कुमार बंसल, धर्मवीर गुप्ता, राजेश बंसल, सुनील मंगल, विपिन कुमार सिंघल योगेश शर्मा सुनील जैन अतुल जैन रिंकू गर्ग, योगेश शर्मा, सचिन सिंघल, सत्यनारायण गोयल, राजेश सलेमपुर, सतीश गर्ग,गणेश गोयल, विनोद बंसल,नवीन गर्ग, अनिल गुप्ता, अशोक गर्ग, बृज बिहारी, मुकेश कुमार जांगिड़, मोहनलाल घनेटवाल, अजय बंसल, विवेक अग्रवाल, हितेश सिंघल, प्रचार मंत्री रिंकू हलेना,देवव्रत आर्य, योगेश , वेद प्रकाश पावटा वाले जगदीश बाडा बुजुर्ग, आशु बंसल, बृजेश गोयल, संतोष शर्मा, पवन शर्मा, सहित सैकड़ो सदस्य पदाधिकारी श्याम प्रेमी बंधु महिलाएं श्रद्धालु मौजूद रहे।

मां हमेशा हौसला देती थी: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है।

पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस और दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी। कंटेंट क्रिएटर नेन्सी त्यागी और शनाया कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बतादें कि कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म में उनके साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं।

यूलिया ने अपनी मातृभाषा में रिलीज़ किया पहला गीत

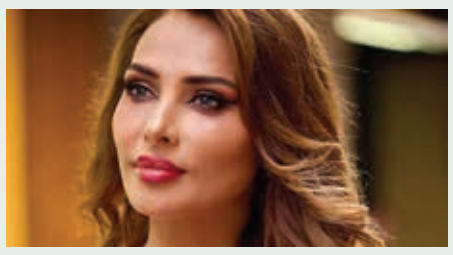

पिछले 14 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय कलाकार यूलिया वंतूर ने अपने करियर का एक बेहद भावनात्मक अध्याय शुरू किया है। यूलिया ने अपने गृह देश रोमानिया और अपनी मातृभाषा में पहला गीत रिलीज़ किया है, जिसका शीर्षक 'कोलिंदे, कोरिंदे' है। यूलिया के लिए यह गीत न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से खास है, बल्कि इसकी प्रस्तुति भी ऐतिहासिक रही। इस कैरल को पहली बार वेटिकन में पॉल षष्टम हॉल में प्रस्तुत किया गया, जहां पोप लियो चौदह की उपस्थिति में और दुनिया भर के प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं व हजारों लोगों के सामने नोस्त्रा एताते के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में इसका प्रदर्शन हुआ। यूलिया वंतूर के लिए यह गीत किसी सपने के सच होने जैसा है। उनका कहना है कि वे वर्षों से रोमानियाई भाषा में गाना चाहती थीं, लेकिन उनका पहला रोमानियाई गीत एक क्रिसमस कैरल होना जैसे पहले से तय था। उनके अनुसार, कैरल्स उन्हें अपने बचपन, अपने देश, अपने माता-पिता और अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में हों, हर साल क्रिसमस पर वे अपने माता-पिता के लिए कैरल गाती हैं और वीडियो कॉल पर यह उनकी खास पारिवारिक परंपरा बन चुकी है। इन पलों में वे खुद को फिर से एक बच्ची की तरह महसूस करती हैं।

यूलिया की भारत में संगीत यात्रा भी एक रोमानियाई कैरल से ही शुरू हुई थी। चौदह साल पहले गाया गया वही कैरल बाद में भारत में 'तेरी मेरी' गीत की प्रेरणा बना और यहीं से उनके हिंदी संगीत करियर की शुरुआत हुई। इसी वजह से जब उन्हें पोप की उपस्थिति में वेटिकन में गाने का निमंत्रण मिला, तो उन्होंने अपने दिल के सबसे करीब गीत 'कोलिंदे, कोरिंदे' को चुनना सही समझा। इस गीत का म्यूज़िक वीडियो लंदन और रोमानिया में फिल्माया गया है, जिसमें यूलिया के माता-पिता भी नजर आते हैं। वीडियो में दूरी, तड़प और घर की याद को बेहद भावुक तरीके से दर्शाया गया है। गीत का संगीत और बोल रिमेनेस्कु, यूजेनिया निकोलाए और सेज़र काज़ानोई कावाल ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्माण सी एंड पी वायरल नेशन रोमानिया ने किया है। यूलिया वंतूर के अनुसार, 'कोलिंदे, कोरिंदे' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि एक एहसास है—अपने घर, अपने माता-पिता और अपने सबसे प्रिय लोगों के साथ फिर से जुड़ने की भावना।

धुरंधर को मिला एयर इंडिया से खास प्यार, यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर धुरंधर की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, 35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, 12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है।धुरंधर रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने धुरंधर को नया सिनेमा तक कह दिया। जासूसी और देशभक्ति से भरपूर फिल्म की बड़ी सफलता के बाद सीक्वल भी आने की तैयारी में है। मेकर्स ने हाल ही में ऐलान कर बताया कि धुरंधर पार्ट 2 अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

बार-बार देखने का मन करता है 'धुरंधर': एलनाज नौरोजी

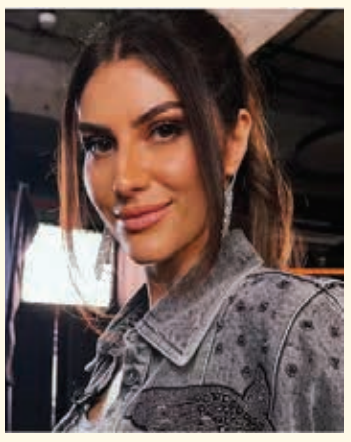

स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 दिसंबर को रिलीज़ हुई इस फिल्म ने अब तक 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की इंडस्ट्री के सितारे भी जमकर सराहना कर रहे हैं। हाल ही में ईरानी मूल की अभिनेत्री और मॉडल एलनाज नौरोजी ने भी 'धुरंधर' की खुलकर तारीफ की है। एलनाज नौरोजी ने फिल्म की प्रशंसा के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने 'धुरंधर' का पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। एलनाज ने न सिर्फ फिल्म की कहानी की तारीफ की, बल्कि निर्देशक आदित्य धर और पूरी स्टारकास्ट को भी सराहा। उन्होंने लिखा कि फिल्ममेकिंग अपने बेहतरीन स्तर पर नजर आती है और आदित्य धर ने एक बार फिर खुद को साबित किया है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना की एक्टिंग को बेजोड़ बताया। एलनाज ने अपनी पोस्ट में यह भी साझा किया कि वह सिनेमा से गहराई से जुड़ी हुई हैं, लेकिन आमतौर पर किसी भी फिल्म को दो बार देखने से बचती हैं। हालांकि 'धुरंधर' उनके लिए एक अपवाद साबित हुई है। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म इतनी प्रभावशाली है कि वह इसे तीन, चार या उससे भी ज्यादा बार देखना चाहेंगी। उनके मुताबिक, फिल्म की कहानी, अभिनय और तकनीकी पक्ष इतने मजबूत हैं कि हर बार देखने पर कुछ नया महसूस होता है। 'धुरंधर' को लेकर सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा है। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों की बहादुरी और जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई है। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी कंधार हाइजैक और 26/11 जैसे सच्चे और संवेदनशील घटनाक्रमों से प्रेरित बताई जा रही है। हालांकि जबरदस्त तारीफों के बीच फिल्म को कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। कुछ क्रिटिक्स ने इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दिया है, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों की भीड़ और बॉक्स ऑफिस आंकड़े साफ तौर पर फिल्म की लोकप्रियता बयान कर रहे हैं।

जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं: शत्रुघ्न सिन्हा

इंटरफेथ मैरिज होने की वजह से बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल का रिश्ता सोशल मीडिया पर लगातार बहस का विषय बना रहा, जहां कई बार सोनाक्षी और उनके परिवार को आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। हाल ही में सोनाक्षी के पिता और वरिष्ठ अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी और दामाद के रिश्ते को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। जब उनसे पूछा गया कि सोनाक्षी और जहीर का रिश्ता कैसा है, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा कि दोनों का बॉन्ड बेहद मजबूत और प्यारा है। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक, जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे के लिए ही बने हों। उन्होंने यह भी बताया कि सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहा था कि जहीर उनके जीवन के सबसे अहम शख्स हैं। शत्रुघ्न ने मुस्कराते हुए कहा कि सोनाक्षी मानती हैं कि उनके जीवन में केवल दो हीरो हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने हमेशा अपनी बेटी के फैसलों का समर्थन किया है। इससे पहले भी वे साफ कह चुके हैं कि सोनाक्षी का यह निर्णय पूरी तरह सही है और उन्हें इसमें कुछ भी गलत नजर नहीं आता। उन्होंने दो टूक कहा कि बेटी की खुशी ही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है और वही उनके लिए मायने रखती है। इसी बीच, एक पॉडकास्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने इंटरफेथ मैरिज और ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की बातें केवल शोर हैं, जिनका उनकी निजी जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। सोनाक्षी ने यह भी कहा कि वह पहली महिला नहीं हैं जिन्होंने ऐसा फैसला लिया हो और न ही आखिरी होंगी। उनके मुताबिक, वह एक आत्मनिर्भर और सफल महिला हैं, जो अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। इसी वजह से उन्होंने अपनी शादी को शोर-शराबे से दूर, बेहद निजी और

खास तरीके से सेलिब्रेट किया। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां भी कीं, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे हमेशा अपनी बेटी और दामाद के साथ खड़े रहेंगे। परिवार का यही प्यार और समर्थन सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता नजर आता है। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की शादी को अब एक साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन उनकी जोड़ी आज भी उतनी ही चर्चा में है जितनी शादी के वक्त थी। 23 जून 2024 को सात साल की लंबी डेटिंग के बाद दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

'हीरो' ने रातोंरात स्टार बना दिया था जैकी श्रॉफ को

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर के 42 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म हीरो के रिलीज होते है जग्गू दादा यानि की जैकी श्रॉफ रातोंरात स्टार बन गए थे। इस बेहद खास मौके पर जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में फिल्म का एक छोटा सा क्लिप साझा करते हुए लिखा, 'फिल्म हीरो के 42 साल पूरे।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपने उस दौर को याद किया, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ पहली बार लीड रोल में नजर आए थे। उन्होंने फिल्म में जैकी दादा नाम के एक गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जो पुलिस कमिश्नर की बेटी राधा, यानी मीनाक्षी शेषाद्रि का अपहरण करता है। कहानी में आगे चलकर यह किरदार प्रेम और पश्चाताप के रास्ते पर चलता है और खुद को बदल लेता है।

रोमांच, एक्शन और रोमांस से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में अमरीश पुरी और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने इसे और मजबूत बनाया। 'हीरो' की सफलता के बाद जैकी श्रॉफ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कर्मा', 'राम-लखन', 'खलनायक', 'सौदागर', 'बॉर्डर' और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। अपनी दमदार आवाज, अनोखे स्टाइल और सहज अभिनय के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया।

हालांकि, जब उनका स्टारडम चरम पर था, तब भी उनकी सादगी और जमीन से जुड़ा स्वभाव लोगों को खूब पसंद आया। कहा जाता है कि अपार सफलता के बावजूद जैकी श्रॉफ लंबे समय तक उसी चॉल में रहे, जहां उनका बचपन बीता था। काम के मोर्चे पर जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नम: पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में जुटे कार्तिक

अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन जुटे हुए हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे कार्तिक ने काम के बीच स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। गुजरात की मशहूर मिठाइयों का आनंद लेते हुए कार्तिक दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा खाते नजर आए। कार्तिक आर्यन ने इस खास पल की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हैं और फिर मुस्कुराते हुए उसका स्वाद लेते दिखाई देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से सजी प्लेट दिखाते नजर आ रहे हैं। उनका यह देसी अंदाज़ फैन्स को काफी पसंद आ रहा है और पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। इस पोस्ट को कार्तिक ने खास कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने तलविंदर के गाने 'तेनु ज्यादा मोहब्बत कर बैठे' का जिक्र किया।

यह गाना उनकी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साउंडट्रैक का हिस्सा है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ यह गाना प्यार के उस नाज़ुक और भावुक पहलू को दिखाता है, जिसमें मोहब्बत के साथ दर्द भी शामिल होता है। इस ट्रैक को लेकर कार्तिक पहले ही कह चुके हैं कि दिल टूटना भी 'प्यार का एक रंग' है। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं। हालांकि, पारिवारिक दबाव और सामाजिक बंदिशें उनके रिश्ते की कड़ी परीक्षा लेती हैं। रोमांस और इमोशन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास अनुभव लेकर आने वाली है।

फराह और कुनिका ने किया जीवन के अनुभवों को सांझा

बॉलीवुड फिल्ममेकर एवं कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेत्री कुनिका सदानंद के बीच हुई एक बातचीत इन दिनों चर्चा में है। फराह खान हाल ही में कुनिका सदानंद के घर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच रिश्तों, आदतों और जीवन के अनुभवों को लेकर खुलकर बात हुई। बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का भी रहा और भावनात्मक भी, जब फराह ने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेने का वक्त आ गया है। इस मजाक की शुरुआत उस समय हुई, जब कुनिका ने 'बिग बॉस 19' से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फ्रीक कहा था। कुनिका ने स्वीकार किया कि उस वक्त यह बात उन्हें बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और लंबे समय तक खुद को लेकर सोचती रहीं। हालांकि समय बीतने के साथ उन्होंने उस बात को समझने की कोशिश की और अपने व्यवहार पर आत्ममंथन किया। कुनिका ने कहा कि उस घटना के बाद उन्होंने अपने रिश्तों को नए नजरिए से देखना शुरू किया। उन्हें एहसास हुआ कि वह लोगों को जरूरत से ज्यादा प्यार और ध्यान देती थीं, जिससे कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होती थी। वह हर रिश्ते में चीजों को संभालने और नियंत्रित करने की कोशिश करती थीं, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या पारिवारिक रिश्ता। जब उन्होंने धीरे-धीरे इस आदत को कम किया, तो उन्हें अपने भीतर सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ।

कुनिका ने फराह से कहा कि अब उन्हें लगता है कि उस समय कही गई बात पूरी तरह गलत नहीं थी और कई बार ज्यादा केयर भी रिश्तों को बोझिल बना देती है। कुनिका की यह बात सुनकर फराह खान ने हंसते हुए कहा कि अब तो नया बॉयफ्रेंड बनाने का सही समय आ गया है। इसके बाद फराह ने भी अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मों के सेट पर हर चीज को कंट्रोल करने की आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन समय के साथ उन्होंने समझा कि हर चीज पर नियंत्रण जरूरी नहीं होता। अब वह घर में चीजों को छोड़ना, परिवार को फैसले लेने की आजादी देना और बेवजह का तनाव न लेने की कोशिश करती हैं।

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य Lady Fingerv रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है।

भिंडी की खेती-बुआई एवं खेत की तैयारी

इसमें विटामिन ए तथा सी पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। भिंडी के फल में आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। भिंडी का फल कब्ज रोगी के लिए विशेष गुणकारी होता है। म.प्र. में लगभग 23500 हे. में इसकी खेती होती है। प्रदेश के सभी जिलों में इसकी खेती की जा सकती है।

अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी

भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

उत्तम किस्में

पूसा ए-4

यह भिंडी की एक उन्नत किस्म है।

यह प्रजाति 1995 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा निकाली गई है।

यह एफिड तथा जैसिड के प्रति सहनशील है।

यह पीतरोग यैलो वेन मोजैक विषाणु रोधी है।

फल मध्यम आकार के गहरे, कम लस वाले, 12-15 सेमी लंबे तथा आकर्षक होते हैं।

बोने के लगभग 15 दिन बाद से फल आना शुरू हो जाते है तथा पहली तुड़ाई 45 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

इसकी औसत पैदावार ग्रीष्म में 10 टन व खरीफ में 15 टन प्रति है।

परभनी क्रांति

यह किस्म पीत-रोगरोधी है।

यह प्रजाति 1985 में मराठवाड़ाई कृषि विश्वविद्याल य, परभनी द्वारा निकाली गई है।

फल बुआई के लगभग 50 दिन बाद आना शुरू हो जाते हैं।

फल गहरे हरे एवं 15-18 सेंमी लम्बे होते हैं।

इसकी पैदावार 9-12 टन प्रति है।

पंजाब-7

यह किस्म भी पीतरोग रोधी है। यह प्रजाति पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा निकाली गई है। फल हरे एवं मध्यम आकार के होते हैं। बुआई के लगभग 55 दिन बाद फल आने शुरू हो जाते हैं। इसकी पैदावार 8-12 टन प्रति है।

अर्का अभय

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे तथा अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

अर्का अनामिका

यह प्रजाति भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी है।

इसके पौधे ऊँचे 120-150 सेमी सीधे व अच्छी शाखा युक्त होते हैं।

फल रोमरहित मुलायम गहरे हरे तथा 5-6 धारियों वाले होते हैं।

फलों का डंठल लम्बा होने के कारण तोड़ने में सुविधा होती है।

यह प्रजाति दोनों ऋतुओं में उगाई जा सकती हैं।

पैदावार 12-15 टन प्रति है हो जाती हैं।

वर्षा उपहार

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 2-3 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं।

पत्तियों का रंग गहरा हरा, निचली पत्तियां चौड़ी व छोटे छोटे लोब्स वाली एवं ऊपरी पत्तियां बड़े लोब्स वाली होती है।

वर्षा ऋतु में 40 दिनों में फूल निकलना शुरु हो जाते हैं व फल 7 दिनों बाद तोड़े जा सकते हैं।

फल चौथी पांचवी गाठों से पैदा होते हैं। औसत पैदावार 9-10 टन प्रति हे. होती हैं।

इसकी खेती ग्रीष्म ऋतु में भी कर सकते हैं।

हिसार उन्नत

यह प्रजाति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा निकाली गई है।

पौधे मध्यम ऊँचाई 90-120 सेमी तथा इंटरनोड पासपास होते हैं।

पौधे में 3-4 शाखाएं प्रत्येक नोड से निकलती हैं। पत्तियों का रंग हरा होता हैं।

पहली तुड़ाई 46-47 दिनों बाद शुरु हो जाती है।

औसत पैदावार 12-13 टन प्रति है होती हैं।

फल 15-16 सेंमी लम्बे हरे तथा आकर्षक होते हैं।

यह प्रजाति वर्षा तथा गर्मियों दोनों समय में उगाई जाती हैं।

वी.आर.ओ.-6

इस किस्म को काशी प्रगति के नाम से भी जाना जाता है।

यह प्रजाति भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी द्वारा 2003 में निकाली गई हैं।

यह प्रजाति येलोवेन मोजेक विषाणु रोग रोधी हैं।

पौधे की औसतन ऊँचाई वर्षा ऋतु में 175 सेमी तथा गर्मी में 130 सेमी होती है।

इंटरनोड पासपास होते हैं।

औसतन 38 वें दिन फूल निकलना शुरु हो जाते हैं।

गर्मी में इसकी औसत पैदावार 13.5 टन एवं बरसात में 18.0 टन प्रति हे. तक ली जा सकती है।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका

सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय

ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक

भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमश: 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई

नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्ल्यूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि

जैट्रोफा की खेती

परिचय

झारखंड की जलवायु तथा मिटटी जैट्रोफा की खेती के लिए उपयुक्त है। सभी 24 जिलों में वृहत जलवायु तथा समशीतोष्ण प्रक्षेत्रों में पथरीले, रेतीले, कम उपजाऊ तथा बंजर भूमि पर खेती की जा सकती है। दोमट भूमि में खेती अच्छी होती हैं, परन्तु जल जमाव वाली जमीन खेती के लिए उपयुक्त नहीं है। अन्य प्रदेशों में जैसे मध्य प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि के किसान भी जैट्रोफा की खेती करते है।

कैसे करें रतनजोत की खेती

जैट्रोफा को आम भाषा में रतनजोत कहा जाता है। इसे विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 नामों से जाना जाता है जैसे सफेद अरण्ड, जंगली अरण्ड, बाघ्र अरण्ड, चद्‌र्जोत, जमालगोटा आदि। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रजैट्रोफा करकसफ्र है। किसान जुलाई माह में जैट्रोफा के बीज सीधी बुआई द्वारा तैयार गड्ढों में कर जैट्रोफा के पौधे उगा सकते है। बोने के पहले बीज को 12 घंटों तक पानी में भिंगोते हैं।

नर्सरी में तैयार पौधों को किसान अपने बंजर भूमि एवं खेतों के मेड़ों में लगा सकते है। नर्सरी में तैयार करने के लिए मार्च-अप्रैल महीने में 1 मी. × 10 मी. तथा 5 सें.मी. दूरी पर 2 सें.मी. की गहराई पर बोयें। इसे कटिंग द्वारा भी लगाया जा सकता है। कटिंग 2-3 माह बाद नर्सरी बेड से रोपाई वाले क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में लगाते हैं।

प्रभेद - आर जे-117 जी.आई.ई. नागपुर, बामुंडा तथा एसडीएयूटी-1 अधिक उपज देती है।

उपज- दिसम्बर-जनवरी में काले रंग के फलों को तोड़ लेते है। तीसरे वर्ष किग्रा. बीज प्रति पौधा प्राप्त होता है। पौधे वर्ष में 1 किग्रा./पौधा तथा आगे प्रति वर्ष उपज बढ़ती है। स्वस्थ एवं मजबूत पौधे होने पर 3-4 किग्रा. प्रति पौधा की दर से उपज प्राप्त कर सकते है। प्राय- 6-10 रु./किग्रा. बीज की विक्रय दर से आय प्राप्त कर सकते है। पेराई कर तेल बेचने पर अधिक आय मिलती है।

जैट्रोफा की खेती-किसानों के लिए उपयोगी

व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर जैट्रोफा की खेती रोजगार के रूप में की जा सकती है। गाँवों की पथरीली एवं बंजर भूमि पर इसकी खेती कर के रोजगार एवं आय का सरल स्त्रोत माना जा सकता है। पौधों को जंगली पशु, पालतू पशु एवं फलों एवं बीजों को चिडियों से नुकसान नहीं होता है। अच्छी रख-रखाव होने से 30-40 वर्षो तक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इसका उपयोग जैव इंधन, औषधि, जैविक खाद, रंग बनाने, भूमि सुधार, भूमि कटाव रोकने, खेत की मेड पर बाड़ के रूप में तथा ग्रामीण स्तर पर रोजगार बढ़ाने के लिए करते है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com